R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 185 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार, 14 जून 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

असम के जोरहाट में वायुसेना का AN-32 विमान क्रैश, 5 जवान शहीद

जोरहाट/असम । असम के जोरहाट जिले में शनिवार को भारतीय वायुसेना का AN-32 परिवहन विमान लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस भीषण हादसे में वायुसेना के पांच जवान शहीद हो गए, जबकि को-पायलट गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार जारी है। भारतीय वायुसेना ने दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए जांच के आदेश दे दिए हैं।

लैंडिंग के दौरान हुआ हादसा, विमान के हुए दो टुकड़े

जानकारी के अनुसार, भारतीय वायुसेना की 43 स्क्वाड्रन का AN-32 विमान अरुणाचल प्रदेश से जोरहाट एयरफोर्स स्टेशन लौट रहा था। विमान में सैन्य सामान लदा हुआ था। रोवरिया क्षेत्र स्थित वायुसेना स्टेशन पर लैंडिंग के दौरान अचानक विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसा इतना भीषण था कि विमान दो हिस्सों में बंट गया और उसमें आग लग गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें दुर्घटनाग्रस्त विमान से उठती लपटें और धुएं का गुबार देखा जा सकता है। राहत एवं बचाव दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर अभियान शुरू किया। इस हादसे में स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीर खेमाराम कुमावत और अग्निवीर दानिश आलम ने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। भारतीय वायुसेना ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में पूरा वायुसेना परिवार उनके परिजनों के साथ खड़ा है।

AN-32 का रहा है हादसों का लंबा इतिहास

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए शहीद जवानों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई है। उन्होंने कहा कि देश इस कठिन समय में परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। सोवियत मूल का AN-32 एक ट्विन-इंजन टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट विमान है, जिसका उपयोग भारतीय वायुसेना दशकों से उत्तर-पूर्व और हिमालयी क्षेत्रों जैसे कठिन इलाकों में करती रही है। हालांकि इस विमान का ऑपरेशनल इतिहास कई दुर्घटनाओं से भी जुड़ा रहा है। जून 2019 में जोरहाट से उड़ान भरने के बाद एक AN-32 विमान अरुणाचल प्रदेश में लापता हो गया था, जिसमें सवार सभी 13 लोगों की मौत हो गई थी। वहीं जुलाई 2016 में चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जा रहा AN-32 बंगाल की खाड़ी के ऊपर लापता हो गया था, जिसमें 29 लोग सवार थे। ताजा हादसे ने एक बार फिर AN-32 विमानों की सुरक्षा और परिचालन व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पेपर लीक और बेरोजगारी के खिलाफ राहुल गांधी का अभियान

नई दिल्ली । कांग्रेस ने पेपर लीक, परीक्षा में गड़बड़ी, भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितताओं और बढ़ती बेरोजगारी के मुद्दे को लेकर देशव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की है। पार्टी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने बताया कि इस अभियान का पहला चरण 17 जून से राजस्थान के कोटा शहर से शुरू होगा, जहां लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी छात्रों और युवाओं के साथ संवाद करेंगे। वेणुगोपाल ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के मार्गदर्शन और राहुल गांधी के नेतृत्व में यह अभियान उन लाखों युवाओं की आवाज बनेगा, जिनका भविष्य बार-बार पेपर लीक, परीक्षा घोटालों और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी के कारण प्रभावित हुआ है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी देशभर में बड़े छात्र सम्मेलनों की श्रृंखला आयोजित करेंगे, जिनमें छात्र, शिक्षक, युवा संगठन और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से प्रभावित अभ्यर्थी शामिल होंगे। कांग्रेस के कार्यक्रम के अनुसार, कोटा में शुरुआत के बाद 10 जुलाई को इलाहाबाद, 11 जुलाई को पटना और 14 जुलाई को दिल्ली में बड़े सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। पार्टी का मानना है कि देश के युवाओं के सामने रोजगार और निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है, इसलिए इसे राष्ट्रीय स्तर पर उठाना जरूरी है।

देशव्यापी अभियान के तहत एनएसयूआई, यूथ कांग्रेस, प्रदेश कांग्रेस समितियां और स्थानीय इकाइयां विश्वविद्यालयों, कॉलेजों, स्कूलों तथा कोचिंग संस्थानों में छात्रों से संपर्क करेंगी। इसके अलावा सोशल मीडिया अभियान, जनसंवाद, लाइव कार्यक्रम और डिजिटल माध्यमों से भी युवाओं तक पहुंच बनाई जाएगी। केसी वेणुगोपाल ने कहा कि राहुल गांधी लगातार नीट, एनटीए, एसएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं में सामने आए विवादों को उठाते रहे हैं। कांग्रेस इस आंदोलन के माध्यम से नीट परीक्षा के विकेंद्रीकरण, परीक्षा शुल्क समाप्त करने, पेपर लीक माफिया के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय करने जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाएगी। पार्टी का कहना है कि यह अभियान युवाओं के अधिकारों, रोजगार और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था के लिए एक जनआंदोलन का रूप लेगा। कांग्रेस संसद के भीतर और बाहर दोनों स्तरों पर युवाओं से जुड़े इन मुद्दों को मजबूती से उठाने की रणनीति पर काम कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

15 जून से शुरू होंगी नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की उड़ानें

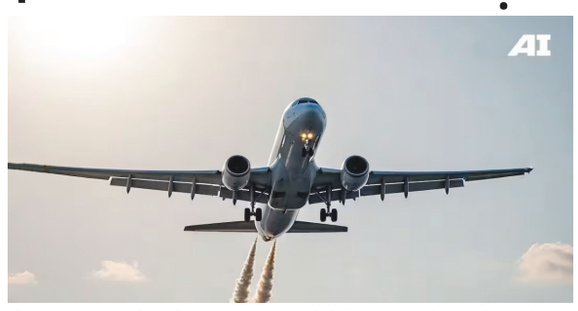

नोएडा/जेवर । दिल्ली-एनसीआर के लाखों यात्रियों का इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। गौतम बुद्ध नगर के जेवर में बने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से 15 जून 2026 से वाणिज्यिक उड़ानों का संचालन शुरू होगा। पहली उड़ान इंडिगो एयरलाइंस संचालित करेगी, जो लखनऊ से सुबह 7:05 बजे उड़ान भरकर 8:05 बजे नोएडा पहुंचेगी। 16 जून से बेंगलुरु के लिए नियमित उड़ानें शुरू होंगी, जबकि जुलाई से नवी मुंबई, भोपाल, देहरादून, जोधपुर और बरेली के लिए भी हवाई सेवाएं उपलब्ध होंगी। जल्द ही अकासा एयर और एयर इंडिया एक्सप्रेस भी यहां से अपनी सेवाएं शुरू करेंगी। एयरपोर्ट पर यात्रियों को आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी, जिनमें सेल्फ चेक-इन कियोस्क, Digi-Yatra आधारित बायोमेट्रिक बोर्डिंग, ऑटोमेटेड बैगेज ड्रॉप सिस्टम और पेपरलेस ट्रैवल की सुविधा शामिल है। इसके अलावा प्रीमियम लाउंज, फूड कोर्ट, रेस्टोरेंट और ड्यूटी फ्री शॉपिंग जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट से करीब 72 किलोमीटर, नोएडा से 40 किलोमीटर और ग्रेटर नोएडा से 28 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यमुना एक्सप्रेसवे और अन्य प्रमुख मार्गों से इसकी बेहतरीन कनेक्टिविटी होगी। करीब 11,200 करोड़ रुपये की लागत से बने इस एयरपोर्ट की शुरुआती क्षमता सालाना 1.2 करोड़ यात्रियों को संभालने की है, जिसे भविष्य में बढ़ाकर 7 करोड़ यात्रियों तक किया जाएगा। यह एयरपोर्ट पर्यावरण अनुकूल 'नेट-जीरो एमिशन' सुविधा के रूप में विकसित किया गया है।

एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसा, 4 की मौत

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर शनिवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा थाना सदर फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के बघौला गांव के पास हुआ। जानकारी के अनुसार, जयपुर से दिल्ली जा रही एक हुंडई अल्काजार कार सड़क किनारे खड़े केले से भरे कैंटर से पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में एक महिला, एक युवक, एक किशोरी और एक बालक शामिल हैं। हादसे में 55 वर्षीय जवाहर लाल और चार वर्षीय अक्षय कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों निवासी सवाई माधोपुर (राजस्थान) बताए जा रहे हैं। घायलों को पहले नल्हड़ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया, बाद में उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रेफर कर दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 6:35 बजे तेज रफ्तार कार एक्सप्रेस-वे पर खड़े कैंटर के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर के बाद कार में सवार लोग अंदर फंस गए थे। सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंचे तथा घायलों और शवों को वाहन से बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान की प्रक्रिया जारी है।

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ होंगे नए सेना प्रमुख, 30 जून को संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने भारतीय सेना के नए प्रमुख (चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ) के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार राष्ट्रपति ने उनकी नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान कर दी है। वह 30 जून 2026 को वर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लेंगे और सेना की कमान संभालेंगे। उनका कार्यकाल 31 अगस्त 2028 तक रहेगा। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में आधिकारिक आदेश जारी कर सभी संबंधित विभागों को सूचित कर दिया है। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ भारतीय सेना में लगभग चार दशक का अनुभव रखते हैं और उन्हें विभिन्न महत्वपूर्ण सैन्य जिम्मेदारियों का व्यापक अनुभव प्राप्त है।

चार दशक का सैन्य अनुभव, कई अहम जिम्मेदारियां संभाली

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA), खड़कवासला के पूर्व छात्र हैं। उन्हें वर्ष 1986 में भारतीय सेना की आर्मर्ड कोर (टैंक रेजिमेंट) में कमीशन मिला था। अपने लंबे सैन्य करियर में उन्होंने रेगिस्तानी इलाकों में बख्तरबंद रेजिमेंट, विकसित क्षेत्रों में बख्तरबंद ब्रिगेड और जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी अभियानों का नेतृत्व किया है। उन्होंने सुदर्शन चक्र कोर की कमान संभालने के साथ-साथ दिल्ली में जनरल ऑफिसर कमांडिंग के रूप में भी कार्य किया। इस दौरान उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभियानों का सफल नेतृत्व किया। बाद में उन्होंने दक्षिण-पश्चिमी कमान और दक्षिणी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं।

तीन दशक बाद टैंक अधिकारी को मिली सेना की कमान

धीरज सेठ की नियुक्ति कई मायनों में खास मानी जा रही है। करीब 29 वर्षों बाद किसी आर्मर्ड कोर यानी टैंक अधिकारी को भारतीय सेना की कमान सौंपी गई है।

इससे पहले वर्ष 1997 में जनरल शंकर रॉय चौधरी सेना प्रमुख बने थे, जो इसी कोर से आते थे। लेफ्टिनेंट जनरल सेठ ने स्ट्राइक कोर के कमांडर के रूप में भी कार्य किया है, जिसे दुश्मन की सीमा में घुसकर कार्रवाई करने वाली सेना की प्रमुख आक्रामक इकाई माना जाता है। पश्चिमी मोर्चे पर उनके अनुभव और रणनीतिक नेतृत्व को देखते हुए उनकी नियुक्ति भारतीय सेना के लिए महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

भारत को मिला मिसाइल रक्षा का 'ब्रह्मास्त्र'

-लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही करेगा नष्ट

नई दिल्ली । भारत ने रक्षा क्षेत्र में एक बड़ी रणनीतिक उपलब्धि हासिल करते हुए लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को हवा में ही नष्ट करने वाली उन्नत बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस (BMD) प्रणाली का सफल परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) की इस सफलता के बाद भारत उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है, जिनके पास इंटरमीडिएट और लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने की क्षमता है। DRDO ने 10 और 11 जून को लगातार तीन सफल फ्लाइट टेस्ट किए। इनमें दो इंटरसेप्टर मिसाइलों ने 2,000 से 5,000 किलोमीटर तक मार करने वाली इंटरमीडिएट रेंज बैलिस्टिक मिसाइलों (IRBM) को रोकने की अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इनमें एक एक्सो-एटमॉस्फेरिक और दूसरी एंडो-एटमॉस्फेरिक इंटरसेप्टर तकनीक पर आधारित है। भारत पिछले कुछ वर्षों से अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दे रहा है। इसी दिशा में DRDO अग्नि-5 मिसाइल के उन्नत संस्करण पर भी काम कर रहा है। वहीं भारतीय नौसेना ने हाल ही में अपनी तीसरी परमाणु शक्ति संपन्न बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी INS अरिदमन को भी बेड़े में शामिल किया है, जिससे देश की सामरिक क्षमता और मजबूत हुई है। पाकिस्तान और चीन की बढ़ती मिसाइल क्षमताओं को देखते हुए भारत अपनी रक्षा तैयारियों को लगातार मजबूत कर रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर DRDO के वैज्ञानिकों और टीम को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता भारत की सुरक्षा और रणनीतिक ताकत को नई ऊंचाई देने वाली है। लगातार तीन सफल परीक्षणों को देश की मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

आजमगढ़-गोरखपुर को 1,250 करोड़ की सौगात

358 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास करेंगे सीएम योगी

आजमगढ़/गोरखपुर । उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ और गोरखपुर जनपदों को शनिवार को विकास की बड़ी सौगात मिलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोनों जिलों में कुल 1,250 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 358 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। इसके साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी वितरित किए जाएंगे। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री आजमगढ़ में 955 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 39 प्रमुख विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। वहीं गोरखपुर में 295 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली 319 परियोजनाओं को जनता को समर्पित किया जाएगा। इन परियोजनाओं में आधारभूत ढांचे, जनसुविधाओं और विकास से जुड़े कई महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इन परियोजनाओं से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी और लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के हर क्षेत्र तक विकास पहुंचाना और जनसुविधाओं का विस्तार करना है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए संदेश में कहा कि आजमगढ़ और गोरखपुर विकास, जनविश्वास और लोककल्याण के नए संकल्पों के साक्षी बनेंगे। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बुनियादी सुविधाएं मजबूत होंगी और क्षेत्र के आर्थिक विकास को बल मिलेगा। मुख्यमंत्री के आजमगढ़ दौरे को लेकर जिला प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह अलर्ट है। कार्यक्रम स्थल महाराजा सुहेलदेव विश्वविद्यालय परिसर में सुरक्षा और व्यवस्थाओं के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इन विकास परियोजनाओं को पूर्वांचल क्षेत्र के बुनियादी ढांचे और जनसुविधाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अभिषेक बनर्जी के घर तड़के छापा, ममता बनर्जी पहुंचीं; TMC ने लगाया ताला तोड़कर घुसने का आरोप

कोलकाता । पश्चिम बंगाल की राजनीति में शनिवार तड़के उस समय हलचल मच गई जब पुलिस और केंद्रीय बलों की संयुक्त टीम ने तृणमूल कांग्रेस (TMC) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी के कोलकाता स्थित कालीघाट आवास पर तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई कथित वित्तीय धोखाधड़ी के एक मामले की जांच के सिलसिले में की गई।

जानकारी के अनुसार, पश्चिम मेदिनीपुर जिले के शालबनी थाने की टीम कोलकाता पुलिस की मदद से तड़के करीब तीन बजे अभिषेक बनर्जी के आवास पर पहुंची। पुलिस का कहना है कि कई बार दरवाजा खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद तलाशी की कार्रवाई शुरू की गई। यह अभियान चार घंटे से अधिक समय तक चला।

हालांकि, तृणमूल कांग्रेस ने इस कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि पुलिस ने घर का ताला तोड़कर जबरन प्रवेश किया। अभिषेक बनर्जी ने भी पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि अधिकारियों ने ताला तोड़ा और पूरे परिसर की तलाशी ली। तलाशी के दौरान इलाके में भारी सुरक्षा व्यवस्था तैनात रही और केंद्रीय बलों ने आसपास के क्षेत्र की घेराबंदी कर रखी थी।

छापेमारी की सूचना मिलते ही पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के आवास पहुंचीं। उनके पहुंचने के बाद इलाके में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गईं और बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता तथा समर्थक भी वहां जमा हो गए।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई शालबनी थाने में दर्ज एक वित्तीय धोखाधड़ी मामले की जांच से जुड़ी हुई है। सूत्रों का कहना है कि जांच एजेंसियां अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक की भी तलाश कर रही थीं। हालांकि तलाशी के दौरान कोई दस्तावेज या सामान जब्त किया गया या नहीं, इसकी आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है जब हाल ही में राज्य सीआईडी ने कथित जाली हस्ताक्षर मामले में अभिषेक बनर्जी से पूछताछ की थी और उन्हें दोबारा जांच में शामिल होने के लिए नोटिस जारी किया गया है। वहीं प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने भी उन्हें एक अन्य मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है।

तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि जांच एजेंसियों के जरिए अभिषेक बनर्जी को राजनीतिक रूप से निशाना बनाया जा रहा है। दूसरी ओर भाजपा का कहना है कि कानून अपना काम कर रहा है और कोई भी व्यक्ति कानून से ऊपर नहीं है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

एआई का ज्ञान: वरदान तभी, जब सही और सबके लिए सुलभ हो

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आज मानव सभ्यता के सामने एक ऐसे तकनीकी बदलाव के रूप में खड़ी है, जो ज्ञान, शिक्षा, शोध और प्रशासन की पूरी व्यवस्था को बदलने की क्षमता रखती है। एआई कंपनी एन्थ्रोपिक के संस्थापक डारियो अमोदेई ने हाल ही में अपने एक लेख में दुनिया को आगाह किया है कि एआई के फायदों का लाभ उठाते समय इसके संभावित खतरों को नजरअंदाज करना गंभीर भूल साबित हो सकता है। उनका यह संदेश केवल तकनीकी जगत के लिए नहीं, बल्कि सरकारों, नीति-निर्माताओं और समाज के हर वर्ग के लिए महत्वपूर्ण है। एआई की सबसे बड़ी ताकत यह है कि यह मानव ज्ञान के विशाल भंडार को कुछ ही क्षणों में व्यवस्थित और उपयोगी रूप में प्रस्तुत कर सकता है। जिस जानकारी को जुटाने के लिए कभी शोधकर्ताओं को वर्षों तक पुस्तकालयों की खाक छाननी पड़ती थी, सरकारी अभिलेखों तक पहुंचने के लिए लंबी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता था, वही जानकारी आज कुछ सेकंड में उपलब्ध हो सकती है। यह ज्ञान तक पहुंच को लोकतांत्रिक बनाने की दिशा में एक बड़ी क्रांति है। लेकिन इसके साथ कई चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। एआई द्वारा दी गई जानकारी हमेशा सही हो, यह जरूरी नहीं। कई बार यह अपुष्ट तथ्यों, अधूरी जानकारियों या गलत निष्कर्षों को भी आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत कर देता है। यदि लोग बिना जांच-पड़ताल के ऐसी जानकारी पर भरोसा करने लगें तो इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। इसलिए एआई प्रणालियों को केवल तेज और प्रभावी ही नहीं, बल्कि जिम्मेदार और पारदर्शी भी होना होगा। जहां जानकारी सुनिश्चित न हो, वहां एआई को स्पष्ट रूप से स्वीकार करना चाहिए कि उसे उत्तर का भरोसेमंद आधार उपलब्ध नहीं है। दूसरी बड़ी चिंता सामाजिक असमानता की है। यदि एआई की उन्नत सुविधाएं केवल कुछ कंपनियों, अमीर देशों या विशेष वर्गों तक सीमित रह गईं, तो समाज में ज्ञान और अवसरों की खाई और गहरी हो जाएगी। तकनीक का लाभ तभी सार्थक होगा जब वह गांव से लेकर शहर तक, छात्र से लेकर किसान तक और छोटे उद्यमी से लेकर शोधकर्ता तक सभी के लिए सुलभ हो। यही कारण है कि सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून और नियमन तकनीकी विकास की गति से पीछे नहीं रह सकते। भारत में डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन कानून के क्रियान्वयन में हुई देरी यह बताती है कि तकनीकी बदलावों के अनुरूप नीतियां बनाने की प्रक्रिया को अधिक चुस्त और प्रभावी बनाना होगा। एआई न तो अपने आप में खतरा है और न ही चमत्कार। यह एक शक्तिशाली साधन है, जिसकी दिशा और प्रभाव इस बात पर निर्भर करेंगे कि हम इसे कितनी जिम्मेदारी, पारदर्शिता और समानता के साथ अपनाते हैं। सही जानकारी और समान पहुंच सुनिश्चित हो जाए, तो एआई मानव विकास का सबसे बड़ा सहयोगी बन सकता है।

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

दलबदलू की सियासत या पद का लालच

संजय सक्सेना

जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी। लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है...

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का 'सूरज' चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज 'अस्ताचल' होने लगता है, सियासी 'महफिल' में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ। पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी। लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है, जिन्होंने सत्ता के लिए अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को ताक पर रख दिया। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, तब से कांग्रेस का एक के बाद एक बड़ा चेहरा

पार्टी छोड़ता चला गया। गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हेमंत बिस्वा सरमा, जगदंबिका पाल, अदिति सिंह काफी लंबी लिस्ट है। राहुल-प्रियंका के सबसे करीबी आरपीएन सिंह तक ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। ये वो लोग थे, जो कभी गांधी परिवार के सबसे करीबी माने जाते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ही पलट दी और सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अगले ही दिन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। अमरिंदर सिंह, जो पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और जिन्होंने पाकिस्तान से लड़ाई तक की बात की थी, वे भी कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाकर बाद में भाजपा की गोद में जा बैठे। नारायण राणे, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने भी यही रास्ता चुना। एक नेता ने जाते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे 55 साल के साथ को छोड़कर पार्टी बदल लेंगे, लेकिन देश के लिए मोदी जी का विजन बहुत बड़ा है। पचपन साल की निष्ठा रातोंरात इस तरह बदल जाती है, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई गौरव की बात नहीं है। इन सबके बीच एक सवाल जरूर उठता है कि क्या इन नेताओं में से कोई एक भी वैचारिक आधार पर पार्टी बदलता है? जवाब ज्यादातर नकारात्मक ही है। टिकट न मिलना, पद से हटाया जाना, या सत्ता की धूप से दूर हो जाना, यही तीन कारण होते हैं, जो नेताओं को रातोंरात क्रांतिकारी बना देते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, तो उन्होंने पार्टी ही बदल दी। जितिन प्रसाद को उत्तर प्रदेश में तवज्जो नहीं मिली, तो उन्होंने भाजपा में शरण ली। यह बात और है कि भाजपा ने भी इन्हें उचित महत्व देने में कोई कमी नहीं रखी। तृणमूल के संदर्भ में यह और भी विडंबनापूर्ण है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी की पहचान हमेशा से एक फाइटर नेता की रही है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने अकेले दम पर तृणमूल कांग्रेस बनाई और 2011 में 34 साल पुराने वामपंथ को सत्ता से उखाड़ फेंका। लेकिन आज उनकी खुद की बनाई पार्टी में वही हो रहा है, जो उन्होंने कांग्रेस में महसूस करके पार्टी छोड़ी थी। यह राजनीतिक न्याय का एक कड़वा चक्र है। भारतीय राजनीति में दल-बदल को रोकने के लिए दसवीं अनुसूची यानी एंटी-डिफेक्शन लॉ बना, लेकिन नेताओं ने उसकी भी काट निकाल ली। दो-तिहाई का फॉर्मूला हो या व्यक्तिगत इस्तीफे का रास्ता, जहां कानून की दीवार खड़ी होती है, सियासतदान वहां सुरंग खोद लेते हैं। तृणमूल के बागियों ने भी यही किया। व्यक्तिगत इस्तीफे देकर या अलग गुट बनाकर वे उस कानूनी जाल से बाहर निकलने की कोशिश में हैं, जो उन्हें अयोग्य घोषित कर सकता है।

श्रद्धांजलि

डॉ. घनश्याम बादल

गोल्डन बॉय शूटर जसपाल राणा का यूं अचानक जाना

भारतीय खेल जगत के लिए 12 जून 2026 का दिन एक गहरे शोक में बदल गया, जब देश के महानतम निशानेबाजों में से एक, अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त शूटर और कोच जसपाल राणा के निधन का समाचार सामने आया। मात्र 49 वर्ष की आयु में उनका जाना न केवल भारतीय निशानेबाजी के लिए, बल्कि पूरे खेल जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। जिस खिलाड़ी ने दशकों तक अपने अचूक निशाने से भारत का तिरंगा विश्व मंच पर लहराया और बाद में प्रशिक्षक के रूप में नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को सफलता का मार्ग दिखाया, उसका इस प्रकार अचानक चले जाना विश्वास करना कठिन है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की धरती पर जन्मे जसपाल राणा ने उस समय भारतीय निशानेबाजी को पहचान दिलानी शुरू की, जब यह खेल देश में अपेक्षाकृत कम लोकप्रिय था। कम उम्र में ही उनकी प्रतिभा ने खेल विशेषज्ञों का ध्यान आकर्षित कर लिया था। उनके पिता नारायण सिंह राणा स्वयं शूटिंग से जुड़े रहे और उन्होंने ही अपने पुत्र की प्रतिभा को तराशने का कार्य किया। देखते ही देखते, यह युवा खिलाड़ी भारतीय निशानेबाजी का पर्याय बन गया। जसपाल राणा की उपलब्धियों की सूची इतनी लंबी है कि उसे संक्षेप में समेटना कठिन है। वे भारत के सबसे सफल कॉमनवेल्थ गेम्स खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। उन्होंने 1994 से 2006 के बीच आयोजित चार राष्ट्रमंडल खेलों में कुल 15 पदक जीते, जिनमें 9 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। यह उपलब्धि उन्हें भारतीय खेल इतिहास के सर्वाधिक सफल खिलाड़ियों की श्रेणी में स्थापित करती है। एशियाई खेलों में भी उनका

प्रदर्शन असाधारण रहा। 1994 एशियन गेम्स में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई। इसके बाद 2006 के एशियाई खेलों में उन्होंने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल और 25 मीटर सेंटर फायर पिस्टल स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया। सेंटर फायर पिस्टल प्रतियोगिता में उन्होंने विश्व रिकॉर्ड की बराबरी भी की थी। एशियाई खेलों में उनके खाते में कुल आठ पदक दर्ज हैं, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता का प्रमाण हैं। देश ने भी उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया। मात्र 18 वर्ष की आयु में उन्हें 1994 में प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार प्रदान किया गया। यह सम्मान प्राप्त करने वाले वे सबसे कम उम्र के खिलाड़ियों में शामिल थे। इसके बाद 1997 में उन्हें देश के चौथे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मश्री से अलंकृत किया गया। खेल जगत में उनकी सेवाओं और प्रशिक्षक के रूप में योगदान को देखते हुए वर्ष 2020 में उन्हें द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह एक दुर्लभ उपलब्धि है कि किसी खिलाड़ी को खिलाड़ी और प्रशिक्षक दोनों रूपों में देश के सर्वोच्च सम्मानों से नवाजा जाए। हालांकि जसपाल राणा की महानता केवल उनके जीते गए पदकों तक सीमित नहीं थी। खेल जीवन के बाद उन्होंने भारतीय निशानेबाजी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का बीड़ा उठाया। वे उन प्रशिक्षकों में रहे जिन्होंने खिलाड़ियों के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और विजेता मानसिकता का विकास किया। भारतीय निशानेबाजी की नई पीढ़ी, विशेषकर मनु भाकर जैसी खिलाड़ियों की सफलता के पीछे उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। पेरिस ओलंपिक में मनु भाकर की ऐतिहासिक सफलता ने यह सिद्ध कर दिया था कि जसपाल राणा केवल महान खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि असाधारण गुरु भी थे। उनका असमय निधन इसलिए भी अधिक पीड़ादायक है क्योंकि वे अभी भी भारतीय शूटिंग के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे। उनके अनुभव, मार्गदर्शन और नेतृत्व की देश को आगे भी आवश्यकता थी। उनके जाने से जो रिक्तता पैदा हुई है, उसे भर पाना आसान नहीं होगा। पदक जीतने वाले खिलाड़ी समय-समय पर आते रहेंगे, लेकिन खेल को दिशा देने वाले व्यक्तित्व विरले ही जन्म लेते हैं। आज जब हम जसपाल राणा को अंतिम विदाई दे रहे हैं, तब उनके द्वारा जीते गए स्वर्ण पदकों, स्थापित रिकॉर्डों और प्राप्त सम्मानों से कहीं अधिक उनकी वह विरासत स्मरणीय है जो उन्होंने आने वाली पीढ़ियों को सौंपी है। उनके निशाने ने केवल लक्ष्य भेदे नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीय युवाओं के सपनों को भी दिशा दी। भारतीय खेल इतिहास में उनका नाम सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। भारतीय खेल जगत का यह सितारा भले ही अस्त हो गया हो, किंतु उसकी चमक कभी मंद नहीं पड़ेगी। भावभीनी श्रद्धांजलि।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

चेतना की चौथी अवस्था है शिव तत्व

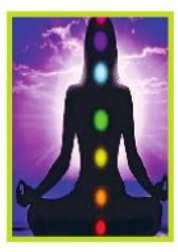

संकलित

दर्शन

शिव को अनुभव करने का प्रयास न करें। आपको बस उस पल में मौजूद रहना है और निश्चिंत रहना है, शिव तत्व पहले से ही वहां मौजूद है। हमारी चेतना की 3 अवस्थाएं हैं - जाग्रत, स्वप्न और सुषुप्ति, और चेतना की एक चौथी अवस्था भी है, जहां हम न तो जाग्रत होते हैं, न स्वप्न देखते हैं और न ही सोते हैं। इसका अनुभव ध्यान में होता है। उस चौथी अवस्था की झलक को ही शिव तत्व कहा जाता है। उपनिषद कहते हैं शिवम्, शांतम्, अद्वैतम्, चतुर्थम्, मन्यन्ते, सा आत्मा, सा विज्ञेय। अर्थात शुभ, शांतिपूर्ण चौथी अवस्था, जहां दो नहीं हैं, वह तुम्हारा स्वरूप है, वही जानने योग्य है। आपको क्या लगता है कि आप क्या हैं? आप केवल एक नाम नहीं हैं, मात्र एक रूप नहीं हैं। आप वह प्रकाशमान चेतना हैं जो शिव तत्व है। शिव का मंदिर पत्थरों से नहीं मनुष्य की चेतना से बना है। वह जो संपूर्ण ब्रह्मांड को समाहित करता है, वह सत्ता जिसमें हर जीवन समाया है, वह रहस्यमय शिव तत्व है। नटराज स्वयं चेतना हैं, उनमें पांच तत्वों को दर्शाया गया है। चेतना का नृत्य संपूर्ण ब्रह्मांड है। यह ब्रह्मांड संघर्ष या कष्ट नहीं दे रहा है; यह हर क्षण उत्सव मना रहा है। ये आनंद है, जो यह नहीं जानता, वह दुःखी होता है, निराश होता है, पीड़ित होता है। जो यह जानता है कि यह संपूर्ण सृष्टि एक नृत्य है, उसे आनंद मिलता है। यह सत्य शिव तत्व है।

व्यक्ति की अच्छी बातों को याद कर उसे जीवन में उतारे

संकलित

प्रेरणा

महाभारत में श्रीकृष्ण की मदद से पांडवों ने कौरवों का पराजित कर दिया था, इसके बाद युधिष्ठिर राजा बन गए। महाभारत युद्ध के बाद जब श्रीकृष्ण द्वारका पहुंचे तो कुछ समय बाद यदुवंशी आपस में लड़कर मारे गए। जब श्रीकृष्ण का अपने धाम लौटने का समय आया तो उन्होंने अपना अंतिम ज्ञान उद्धव को दिया था। उद्धव श्रीकृष्ण के काका के बेटे थे और बहुत विद्वान थे। उद्धव ने श्रीकृष्ण से कई प्रश्न पूछे और भगवान ने सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। जब उद्धव श्रीकृष्ण की बातों से संतुष्ट हो गए तो श्रीकृष्ण ने कहा कि उद्धव, अब मैं अपने धाम जाऊंगा यानी मैं इस संसार को छोड़कर जाने वाला हूं। अब तुम्हें भी मुझसे विदा होना होगा। ये बात सुनकर उद्धव दुखी हुए और उन्होंने श्रीकृष्ण का हाथ पकड़ लिया और कहा कि आप इस तरह मुझे छोड़कर नहीं जा सकते, मैं भी आपके साथ चलूंगा। श्रीकृष्ण ने उद्धव को समझाते हुए कहा कि इस दुनिया में सभी अकेले आते हैं और अकेले ही जाते हैं। इतना कहने के बाद श्रीकृष्ण ने अपनी चरण पादुकाएं उद्धव को भेंट में दे दीं और कहा, इस भेंट को याद रखना और अब तुम बद्रीकाश्रम चले जाओ। बद्रीनाथ के पर्वतों पर मैंने तुम्हें जो बातें बताई हैं, उन बातों का चिंतन करना। ये पादुकाएं तुम्हें मेरी अच्छी बातें याद दिलाएंगी। जो ज्ञान मैंने तुम्हें दिया है, उसका लोगों के हित में सही उपयोग करना। श्रीकृष्ण की ये बातें सुनकर उद्धव वहां से चले गए। इसके कुछ समय बाद जरा नाम के शिकारी का बाण श्रीकृष्ण के पैर के तलवे पर लगा। इसके बाद श्रीकृष्ण अपने धाम लौट गए।

अंतर्मन

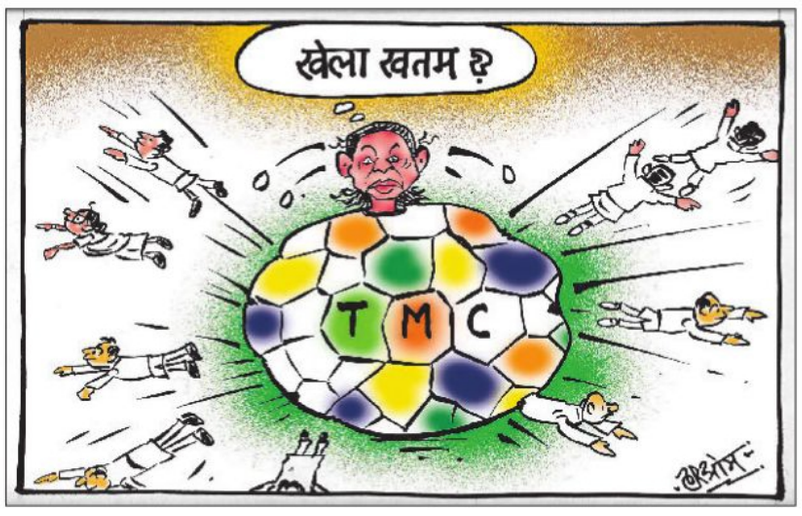

आज की पाती

पाकिस्तान की बर्बरता पर ये मौन क्यों?

पाकिस्तानी कब्जे वाले कश्मीर के नागरिक लंबे समय से सम्मानजनक जीवन जीने के लिए मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग करते आ रहे हैं, किंतु पाकिस्तानी सरकार अपने कब्जे वाले कश्मीरी क्षेत्र के लोगों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के बजाय सेना के दमन चक्र से वहां के नागरिकों की हत्याएं करती आई है। पाकिस्तानी हुकूमत और सेना द्वारा वर्षों से अधिकृत कश्मीरी लोगों को जबरन जेलों में बंद कर प्रताड़ित किया जाता है, उनके घरों की महिलाओं और बच्चियों की अस्मिता लूटी जाती है और विरोध के बदले मौत दी जाती है। अभी हाल ही में, इस बार भी कश्मीरियों की मांग नागवार गुजरी और सेना प्रमुख मुनीर के इशारे पर बर्बरतापूर्वक अंधाधुंध गोलाबारी की गई।

- ब्रिजेश अग्रवाल, राजनांदगांव

ट्रेंड

कांग्रेस और एनडीए

कांग्रेस और एनडीए की विकास दर में साफ फर्क है! एक ऐसा सिस्टम था जहां काम हमेशा अटकता और टलता रहता था, जबकि आज का सिस्टम कहता है कि काम समय पर और बड़े पैमाने पर होगा।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

त्रिपक्षीय समझौता

भारत सरकार, असम और नागालैंड सरकार के बीच एक ऐतिहासिक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इससे पूर्वोत्तर में दशकों से चला आ रहा विवाद खत्म हो गया है। इस क्षेत्र में तेल और गैस की खोज का रास्ता खुल गया है। यह भारत की एकता का बेहतरीन उदाहरण है।

-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विपक्ष गैरजिम्मेदार

आज विपक्ष कितना गैरजिम्मेदार हो गया है! अगर हम हिमाचल प्रदेश जीत जाते है, तो हम शेर बन जाते है, लेकिन अगर चुनाव हार जाते है, तो चुनाव आयोग खराब हो जाता है! आप किस तरह की पार्टी बन गए है, आपकी क्या हालत है?

- जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

राणा को श्रद्धांजलि

भारत के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाजों में से एक और एथलीटों की कई पीढ़ियों को प्रेरित करने वाले मार्गदर्शक जसपाल राणा के निधन से मैं अत्यंत दुखी हूं। उत्कृष्टता के प्रति उनके समर्पण और भारतीय खेल जगत में उनके अपार योगदान ने हमारे राष्ट्र पर अमिट छाप छोड़ी है।

- राहुल गांधी, सांसद, कांग्रेस

करंट अफेयर

पाक में गरीबों की संख्या बढ़कर सात करोड़ हुई

पाकिस्तान में पिछले छह वर्षों में गरीबी सात प्रतिशत बढ़ गई है जिससे लगभग 2.7 करोड़ लोग गरीबी के दायरे में आ गए हैं और इसके साथ ही देश में कुल गरीबों की संख्या बढ़कर सात करोड़ हो गई है। देश के राष्ट्रीय आर्थिक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है। पाकिस्तान आर्थिक सर्वेक्षण 2025-26, को बृहस्पतिवार को वार्षिक प्रक्रिया के तहत जारी किया गया। यह प्रक्रिया संघीय बजट पेश किए जाने से पहले आर्थिक संकेतकों को साझा करने के लिए की जाती है। इस सर्वेक्षण में सामने आया है कि वर्ष 2018-19 में गरीबी का स्तर 21.9 प्रतिशत था, जो 2024-25 में बढ़कर 28.9 प्रतिशत हो गया। सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण गरीबी 28.2 प्रतिशत से बढ़कर 36.2 प्रतिशत हो गई जबकि शहरी गरीबी 11 प्रतिशत से बढ़कर 17.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। प्रांतीय स्तर के आंकड़ों से पता चलता है कि सभी क्षेत्रों में गरीबी में वृद्धि दर्ज की गई है। पंजाब प्रांत में यह 16.5 प्रतिशत से बढ़कर 23.3 प्रतिशत हो गई, सिंध में 24.5 प्रतिशत से बढ़कर 32.6 प्रतिशत, खैबर पख्तूनख्वा में 28.7 प्रतिशत से बढ़कर 35.3 प्रतिशत और बलूचिस्तान में 41.8 प्रतिशत से बढ़कर 47 प्रतिशत हो गई। बलूचिस्तान में गरीबी दर सबसे अधिक दर्ज की गई, जबकि चारों प्रांतों में पंजाब में गरीबी दर सबसे कम रही।

ऑफ बीट

क्या युवाओं में कैंसर के लिए रसायन ज़िम्मेदार हैं?

पहले कैंसर को आमतौर पर बुजुर्गों की बीमारी माना जाता था लेकिन अब 50 साल से कम उम्र के लोगों में कैंसर के मामले बढ़ रहे हैं, जो चिंताजनक है। आपके शरीर की प्रत्येक कोशिका में आपके डीएनए की एक प्रति होती है - जो उस कोशिका को ठीक से कार्य करने का निर्देश देती है। हालांकि, डीएनए में ऐसे तरीकों से म्युटेशन हो सकता है जिससे वह कोशिका अपना वह कार्य करना बंद कर देती है जो उसे करना होता है। कुछ म्युटेशन कोशिका को अनियंत्रित रूप से बढ़ने में सक्षम बनाते हैं। कुछ म्युटेशन इसे मरने से बचाते हैं। और कुछ इसे शरीर के अन्य भागों में फैलने में मदद करते हैं जहां यह नहीं होना चाहिए। डीएनए में अधिक मात्रा में म्युटेशन कैंसर को जन्म दे सकता है। जब भी शरीर में नई कोशिका बनती है, तो डीएनए की एक नई प्रति भी बनती है। कभी-कभी संयोगवश गलतियां हो जाती हैं, जिससे म्युटेशन हो सकता है। इसे आप ऐसे समझें जैसे एक फोटोकॉपी की फोटोकॉपी बनाना। इस प्रक्रिया में हर प्रति दूसरे से थोड़ी भिन्न होती है। ज्यादातर डीएनए म्युटेशन हानिरहित होते हैं। लेकिन शरीर में हर दिन अरबों कोशिकाएं बनती हैं। इसलिए जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, शरीर में डीएनए की प्रतियों की संख्या बढ़ती जाती है, जिससे गलतियां होने की संभावना भी बढ़ जाती है। साथ ही, उम्र बढ़ने पर शरीर इन खराब कोशिकाओं को पहचान कर हटाने में भी कमजोर हो जाता है।

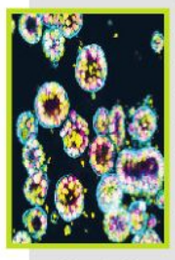

मोदी सरकार के 12 वर्ष पूरे होने पर प्रदर्शनी का शुभारंभ

-विकास और जनकल्याण की उपलब्धियों को किया गया प्रदर्शित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जयपुर सूचना केंद्र में '12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के' विषय पर आधारित तीन दिवसीय प्रदर्शनी का उद्घाटन किया गया। प्रदर्शनी में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, विकास कार्यों और प्रमुख उपलब्धियों को आकर्षक एवं तथ्यात्मक रूप में प्रदर्शित किया गया है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में विकास, सुशासन, सांस्कृतिक गौरव और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है।

जनकल्याणकारी योजनाओं से बदला आमजन का जीवन

उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में गरीबों, किसानों, महिलाओं, युवाओं और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है तथा यह प्रदर्शनी विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगी।

हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने भी प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन आमजन को सरकारी योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

प्रदर्शनी में आधारभूत संरचना, महिला सशक्तिकरण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा और सुशासन से जुड़े कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। इस दौरान संभागीय आयुक्त वी. सरवन कुमार और जिला कलक्टर संदेश नायक ने विद्यार्थियों और युवाओं से संवाद कर उन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

कार्यक्रम में प्रशिक्षु आईएएस विभोर भारद्वाज ने युवाओं के साथ यूपीएससी परीक्षा की तैयारी से जुड़े अनुभव भी साझा किए। यह प्रदर्शनी 14 जून तक प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी।

ब्रीफ खबरें

मृतक रामावतार असवाल के परिजनों को मिली एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। भाजपा नेता एवं एससी मोर्चा मंडल अध्यक्ष स्वर्गीय रामावतार उर्फ पप्पू असवाल की हत्या के बाद शनिवार को सांसद प्रतिनिधि एवं भाजयुमो के पूर्व प्रदेश मंत्री देवायुष सिंह तथा जामा मस्जिद मनोहरपुर के सदर जमील खान चौहान कार्यकर्ताओं के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सांसद राव राजेंद्र सिंह की ओर से निजी सहायता के रूप में एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता का चेक मृतक के परिजनों को सौंपा।

देवायुष सिंह ने मृतक के भाई गुलाब असवाल एवं पुत्र अमन असवाल से मुलाकात कर शोक संवेदना व्यक्त की तथा परिवार को इस कठिन समय में हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाने के लिए पूरा प्रयास किया जाएगा। साथ ही उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में समाज के सभी लोगों को राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर पीड़ित परिवार के साथ खड़ा रहना चाहिए, यही सच्ची मानवता है। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष रामचंद्र यादव, एससी मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष एडवोकेट बी.एस. बेनीवाल, मंडल महामंत्री उपेंद्र आत्रेय, हाजी बुंदू खान पडियार, जहीर खान, अंजुम खान, बद्री प्रसाद जाट, सुनील बिहाजर, पूर्व मंडल अध्यक्ष मोहनलाल गुर्जर सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

110 परिवारों को मिली अपने घर की खुशियां

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री जन आवास योजना के तहत आयोजित "गृह गौरव: खुशियों की चाबी" कार्यक्रम में शनिवार को 110 आवंटियों को उनके नए आवासों की चाबियां सौंपी गईं। मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जोगाराम पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में विकास और गरीब कल्याण का अभूतपूर्व संगम देखा है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल विकास करना नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का "सभी के लिए आवास" का सपना तेजी से साकार हो रहा है। अब तक देशभर में 4 करोड़ से अधिक प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत वर्ष 2028-29 तक एक करोड़ अतिरिक्त पात्र शहरी परिवारों को सहायता प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान में पिछले दो वर्षों के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत 48 हजार नए आवास स्वीकृत किए गए हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 7.16 लाख आवासों को मंजूरी दी गई है।

जोगाराम पटेल ने कहा कि अपना घर हर व्यक्ति का सपना होता है। मुख्यमंत्री जन आवास योजना केवल मकान उपलब्ध कराने की योजना नहीं, बल्कि सम्मानजनक जीवन और सुरक्षित भविष्य की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि ग्राम बड़ली में विकसित यह आवासीय परियोजना आधुनिक सुविधाओं और बेहतर बुनियादी ढांचे से युक्त है, जिससे निवासियों को बेहतर जीवन स्तर उपलब्ध होगा।

'भारत भाग्य विधाता' राष्ट्रसेवा और गुमनाम नायकों की प्रेरक कहानी : भजनलाल शर्मा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के जवाहर सर्किल स्थित एंटरटेनमेंट पैराडाइज मिराज सिनेमा में फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की विशेष स्क्रीनिंग देखी। इस अवसर पर फिल्म की अभिनेत्री एवं सांसद कंगना रनौत, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी, सांसद मंजू शर्मा, फिल्म के निर्माता-निर्देशक, नर्सिंग प्रोफेशनल्स और छात्राएं भी मौजूद रहीं। फिल्म देखने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 'राष्ट्र प्रथम' की भावना और समाज के प्रति संवेदनशीलता ही किसी भी नागरिक की सबसे बड़ी पहचान होती है। उन्होंने कहा कि फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' उन गुमनाम नायकों की प्रेरक गाथा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है, जिन्होंने राष्ट्र और समाज को सर्वोपरि मानते हुए अपना जीवन सेवा और समर्पण के लिए समर्पित कर दिया।

सेवा, साहस और समर्पण का संदेश देती है फिल्म

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश ने 26/11 के आतंकी हमलों से लेकर कोविड-19 महामारी जैसे कठिन दौर में हजारों कर्मयोगियों की निस्वार्थ सेवा भावना को देखा है। डॉक्टरों, नर्सों, सुरक्षाकर्मियों और अन्य सेवा प्रदाताओं ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में भी अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर मानवता और राष्ट्रसेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि यह फिल्म ऐसे ही असंख्य लोगों के त्याग, साहस और समर्पण को सामने लाती है, जो कठिन परिस्थितियों में भी समाज और राष्ट्र की सेवा के लिए निरंतर कार्य करते रहते हैं। मुख्यमंत्री ने फिल्म की पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि ऐसी प्रेरणादायी फिल्में समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देती हैं और युवाओं को अपने कर्तव्यों एवं सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करती हैं।

युवाओं को दिया सेवा का संदेश

भजनलाल शर्मा ने युवाओं से समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के विकास में युवाओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और उन्हें सेवा, सहयोग तथा सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना के साथ आगे बढ़ना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट सेवाएं देने वाली नर्सों को सम्मानित भी किया गया। फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग में उपस्थित नर्सिंग प्रोफेशनल्स और छात्राओं ने भी फिल्म को प्रेरणादायक बताते हुए इसकी सराहना की।

मुहाना मंडी में बड़ी कार्रवाई, 3640 किलो सरसों तेल सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने जयपुर की मुहाना मंडी में बड़ी कार्रवाई करते हुए 3640 किलो संदिग्ध सरसों तेल सीज किया। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मुहाना मंडी स्थित मैसर्स कमल एंड कंपनी पर औचक निरीक्षण किया, जहां सरसों तेल में मिलावट की आशंका मिलने पर कार्रवाई की गई। सीएमएचओ जयपुर द्वितीय डॉ. मनीष मित्तल ने बताया कि निरीक्षण के दौरान गोयल ऑयल उद्योग द्वारा सप्लाई किए जा रहे टैगोर और विधि ब्रांड के सरसों तेल के रंग और खुशबू में संदेहास्पद स्थिति पाई गई। इसके बाद टीम ने तेल के स्टॉक की जांच की और एहतियातन पूरे माल को सीज कर दिया। कार्रवाई के दौरान टैगोर ब्रांड के 90 टीन के अलावा 5 लीटर, 2 लीटर, 1 लीटर और आधा लीटर क्षमता वाले जार भी जब्त किए गए। वहीं विधि ब्रांड के 22 टीन और अन्य पैकिंग में उपलब्ध तेल को भी सीज किया गया। कुल मिलाकर 3640 किलो सरसों तेल को जांच पूरी होने तक बिक्री और वितरण से रोक दिया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि यह तेल आकेड़ा डूंगर, लक्ष्मीनारायणपुरा और विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र (वीकेआई) स्थित गोयल ऑयल उद्योग में तैयार किया गया था। खाद्य सुरक्षा विभाग ने तेल के नमूने लेकर प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिए हैं। अधिकारियों का कहना है कि जांच रिपोर्ट आने के बाद खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने साफ किया है कि आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जयपुर में मिलावट पर बड़ी कार्रवाई, 1300 किलो खाद्य सामग्री सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश में चल रहे 'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने जयपुर के गोल्यावास क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक ग्रोसरी फर्म से 1300 किलो खाद्य सामग्री जब्त की है। साथ ही 450 किलो एक्सपायरी खाद्य पदार्थ मौके पर ही नष्ट करवाए गए। खाद्य सुरक्षा आयुक्त डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह के नेतृत्व में केंद्रीय दल और सीएमएचओ जयपुर द्वितीय की फूड सेफ्टी टीम ने गिर्राज नगर स्थित मैसर्स आइकर्ट पर संयुक्त छापा मारा। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि दाल और चावल के कई कट्टों पर पैकिंग तिथि अंकित नहीं थी और उन्हें बाजार में सप्लाई के लिए भेजा जा रहा था। टीम ने मसूर दाल और चावल के नमूने लेकर 22 कट्टे सीज कर दिए। इसके अलावा बिना एक्सपायरी डेट वाली खाद्य सामग्री की बिक्री पर रोक लगाई गई। जांच के दौरान 450 किलो एक्सपायरी आटा और दाल भी बरामद हुई, जिसे मौके पर ही नष्ट कराया गया। निरीक्षण में फल और सब्जी सेक्शन में भी कई अनियमितताएं सामने आईं। ऑनलाइन सप्लाई के लिए रखे गए फल और सब्जियां फर्श पर रखी मिलीं तथा कोल्ड रूम में सफाई व्यवस्था बेहद खराब पाई गई। वहीं होटल और रेस्टोरेंट सामग्री के गोदाम में अत्यधिक तापमान के बीच नॉन-डेयरी क्रीम, मेयोनीज, केचअप और सॉस जैसी सामग्री बिना मानकों के रखी हुई मिली। मौके से नॉन-डेयरी क्रीम के दो नमूने लिए गए तथा 500 मिलीलीटर की 950 बोतलों वाले 24 कार्टन जांच रिपोर्ट आने तक सीज कर दिए गए। इसके अलावा कन्फेक्शनरी गोदाम में बड़ी मात्रा में एक्सपायरी और बाजार से लौटाया गया माल भी मिला। खाद्य सुरक्षा विभाग ने कुल सात नमूने जांच के लिए भेजे हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने फर्म को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी करने की भी तैयारी की है।

आरयूएचएस अस्पताल बनेगा रिम्स, बढ़ेंगी सुपर स्पेशियलिटी सुविधाएं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राजस्थान यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (आरयूएचएस) अस्पताल को राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (रिम्स) के रूप में विकसित करने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। इस दिशा में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं के विस्तार की योजना बनाई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने शनिवार को समीक्षा बैठक लेकर अस्पताल के चरणबद्ध उन्नयन, चिकित्सकीय सेवाओं के विस्तार और मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समयसीमा में पूरे किए जाएं तथा विभिन्न विभागों में फैकल्टी और चिकित्सकों की कमी को जल्द दूर किया जाए।

सीटी स्कैन शुरू, जल्द मिलेगी एमआरआई सुविधा

बैठक में बताया गया कि अस्पताल में सीटी स्कैन सेवा शुरू हो चुकी है, जिससे मरीजों को आधुनिक जांच सुविधाओं का लाभ मिलने लगा है। वहीं एमआरआई सेवा भी जल्द शुरू की जाएगी। इसके अलावा ब्लड बैंक को और मजबूत किया गया है तथा ट्रॉमा सेवाएं भी प्रारंभ कर दी गई हैं। चिकित्सा शिक्षा आयुक्त बाबूलाल गोयल ने बताया कि अस्पताल में आपातकालीन सेवाओं और रक्त उपलब्धता को बेहतर बनाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। भविष्य में इन सेवाओं का और विस्तार किया जाएगा।

हृदय रोगियों को मिलेगा बड़ा लाभ

विशेषाधिकारी डॉ. अजीत सिंह शक्तावत ने बताया कि अत्याधुनिक कैथ लैब शुरू होने से हृदय रोगियों को उन्नत जांच और उपचार की सुविधा एक ही स्थान पर मिल सकेगी। वर्तमान में अस्पताल में कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, यूरोलॉजी और प्लास्टिक सर्जरी जैसी सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं संचालित हैं। एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. दीपक माहेश्वरी ने बताया कि आरयूएचएस के बुनियादी ढांचे और एसएमएस अस्पताल की विशेषज्ञ फैकल्टी के सहयोग से आर्थोपेडिक्स और जनरल सर्जरी सेवाओं को और मजबूत किया जाएगा। इससे मरीजों को बेहतर इलाज का विकल्प मिलेगा और एसएमएस अस्पताल पर बढ़ता दबाव भी कम होगा।

लोक कलाओं को मिलेगा वैश्विक मंच : राज्यपाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने लुप्त होती लोक, दृश्य और प्रदर्शन कलाओं के संरक्षण के लिए प्रभावी प्रयासों पर जोर देते हुए कहा कि राजस्थान, महाराष्ट्र, गोवा, दमन-दीव और गुजरात की पारंपरिक कलाओं को वैश्विक पहचान दिलाई जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि इन कलाओं का दस्तावेजीकरण कर संरक्षण के साथ कलाकारों को रोजगार से जोड़ना भी आवश्यक है। गोवा में आयोजित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र की शासी परिषद की बैठक को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आधुनिक वस्त्रों, घरेलू सज्जा और अंतरराष्ट्रीय कला बाजार में भारतीय आंचलिक कलाओं को विशेष स्थान दिलाने के लिए ठोस रणनीति बनाई जानी चाहिए। उन्होंने पारंपरिक कलाकारों को अधिक अवसर और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता बताई। बैठक में गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू भी मौजूद रहे। राज्यपाल बागडे ने कहा कि लोक कलाएं हमारी सांस्कृतिक विरासत की आधारशिला हैं और इन्हीं से आधुनिक कला का विकास हुआ है। इसलिए इनके संरक्षण और संवर्धन की जिम्मेदारी सभी की है। उन्होंने पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र से कला आयोजनों के साथ-साथ कलाकारों की प्रतिभा को विश्व स्तर पर स्थापित करने के लिए भी विशेष प्रयास करने का आह्वान किया। साथ ही कला विपणन, बाजार संभावनाओं और जनजागरूकता से जुड़े कार्यक्रम बढ़ाने पर बल दिया। बैठक में बताया गया कि पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र ने 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2026 तक 114 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए, जिनसे 5,961 कलाकार लाभान्वित हुए। वहीं शिल्पग्राम में आने वाले लोगों की संख्या में हर वर्ष लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की जा रही है।

खेल युवाओं में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं : भूपेंद्र यादव

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। अलवर सांसद खेल उत्सव-2026 के तहत आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल की जगह आरपीएस अंतरराष्ट्रीय विद्यालय, बहरोड़ में आयोजित महिला वर्ग के "समर कैंप 2026" का समापन समारोह उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तथा अलवर सांसद भूपेंद्र यादव ने महिला खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें खेलों के माध्यम से जीवन में आगे बढ़ने का संदेश दिया। समारोह में जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह, राजस्थान के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री संजय शर्मा सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे।

खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त मंच

भूपेंद्र यादव ने कहा कि खेल केवल शारीरिक फिटनेस का माध्यम नहीं हैं, बल्कि युवाओं में आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और चुनौतियों का सामना करने का साहस भी विकसित करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं को खेल और तकनीक दोनों क्षेत्रों में दक्ष बनना होगा, तभी वे भविष्य की चुनौतियों का सफलतापूर्वक सामना कर सकेंगे।m उन्होंने महिला खिलाड़ियों से संवाद कर कबड्डी, बास्केटबॉल, खो-खो सहित विभिन्न खेलों में प्राप्त प्रशिक्षण की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि देशभर से आए प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों को आधुनिक खेल तकनीकों और खेल कौशल का प्रशिक्षण मिला है, जो उनके भविष्य के लिए लाभदायक सिद्ध होगा।

संविदा नर्सिंगकर्मी की मौत पर भड़का आक्रोश, राजस्थानभर में नर्सिंग स्टाफ की बेमियादी हड़ताल

जयपुर । संविदा नर्सिंगकर्मी दीपक की मौत के बाद राजस्थान में नर्सिंग कर्मचारियों का आक्रोश खुलकर सामने आ गया है। नौकरी से हटाए जाने के बाद कथित रूप से जहर खाकर आत्महत्या करने वाले दीपक के मामले को लेकर शनिवार से प्रदेशभर के सरकारी अस्पतालों में नर्सिंगकर्मी बेमियादी हड़ताल पर चले गए हैं। इस आंदोलन का असर स्वास्थ्य सेवाओं पर भी दिखाई देने लगा है। राजधानी जयपुर के एसएमएस मेडिकल कॉलेज परिसर में बड़ी संख्या में नर्सिंगकर्मी धरने पर बैठे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि दीपक की मौत केवल एक कर्मचारी की मौत नहीं, बल्कि वर्षों से अस्थायी सेवाएं दे रहे हजारों संविदाकर्मियों की पीड़ा का प्रतीक है।

मुआवजा, नौकरी और नियमितीकरण की मांग

हड़ताली कर्मचारियों ने सरकार के सामने कई मांगें रखी हैं। इनमें दीपक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी तथा आवास उपलब्ध कराने की मांग शामिल है। नर्सिंगकर्मियों का कहना है कि सरकार को परिवार को तत्काल राहत प्रदान करनी चाहिए। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि प्रदेश में करीब सात हजार संविदा नर्सिंगकर्मी लंबे समय से सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें अब तक नियमित नहीं किया गया। हाल ही में कई कर्मचारियों को सेवा से हटाए जाने से उनमें असुरक्षा की भावना बढ़ी है। कर्मचारियों ने सभी हटाए गए नर्सिंगकर्मियों की बहाली और नियमितीकरण की भी मांग की है।

स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित, आंदोलन तेज करने की चेतावनी

नर्सिंग स्टाफ ने कम मानदेय को लेकर भी नाराजगी जताई। उनका कहना है कि लंबे समय तक सेवा देने के बावजूद उन्हें बेहद कम भत्ता मिलता है, जिससे परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो जाता है।

हड़ताल का असर कई सरकारी अस्पतालों में देखने को मिल रहा है और मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आंदोलन को कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों का समर्थन मिला है। सांसद हनुमान बेनीवाल भी प्रदर्शन में शामिल हुए। नर्सिंगकर्मियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इसके तहत रविवार को जयपुर के महिला चिकित्सालय में बड़े प्रदर्शन की तैयारी की गई है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

ब्रीफ खबरें

मोहम्मद रिजवान गौरी का राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप के लिए चयन

राजलदेसर (रॉयल पत्रिका)। हिमाद्रि आइस रिंक देहरादून में आयोजित राज्य स्तरीय चयन ट्रायल में राजलदेसर के खिलाड़ी मोहम्मद रिजवान गौरी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप में जगह बनाई है। अंडर 15 में चयनित मोहम्मद रिजवान गौरी 14 जून से आयोजित राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप में राजस्थान राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा। चुरू जिला तलवारबाजी संघ के सचिव डॉ. कादिर हुसैन ने बताया कि राज्य स्तरीय ट्रायल में मोहम्मद रिजवान गौरी ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का ध्यान आकर्षित किया और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अपना स्थान पक्का किया। अंडर 15 राष्ट्रीय आइस हॉकी चैंपियनशिप 14 से 18 जून तक हिमाद्रि आइस रिंक देहरादून में आयोजित होगी। मोहम्मद रिजवान गौरी के चयन होने पर नाना डॉ. कादिर हुसैन,परनाना सेवा निवृत्त प्रधानाध्यापक हाजी बदरुद्दीन भाटी उर्फ बदरी खान,दादा रमजान गौरी, पापा इमरान गौरी, मामा इंजीनियर मोहम्मद इस्लाम भाटी, मोहम्मद नियाज़ खान पुर्व जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, डॉ. शमशाद अली सहायक प्रोफेसर, मुस्ताक अली सैयद वरिष्ठ अध्यापक, रमजान खान नवांकुर तथा मरियम सहित समाज के लोगों ने खुशी जताते हुए उन्हें राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए शुभकामनाएं दी। मोहम्मद रिजवान गौरी की वालिदा मरियम ने आल इंडिया नेशनल इंडोर रोविंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता हुआ है तथा इसके अलावा ताइक्वांडो व क्लारिपायतु में नेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया हुआ है। इसके साथ ही हाकी व सोफ्ट टेनिस की राज्य स्तरीय खिलाड़ी रही है। मोहम्मद रिजवान गौरी के वालिद इमरान गौरी आल इंडिया नेशनल इंडोर रोविंग चैम्पियनशिप में भाग ले चुके हैं और ताइक्वांडो व क्लारिपायतु में भी नेशनल चैंपियनशिप खेल चुके हैं।

जन्मदिन के अवसर पर शौकत अंसारी का किया इस्तकबाल

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका)। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कार्यरत रहे प्रशासनिक अधिकारी शौकत अंसारी का शुक्रवार को उनके जन्मदिन के अवसर पर मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय एवं ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कार्यालयो में फूल माला पहनाकर इस्तकबाल किया गया। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी पवन पाटीदार, संस्थापन अधिकारी नरेंद्र कुमार दुबे एवं देवकी नन्दन गुप्ता, प्रशासनिक अधिकारी दीपक गुप्ता, अशोक गुप्ता, यश वर्मा, देवाशीष वर्मा, देवेंद्र मीणा, कर्मचारी संगठन के जिला अध्यक्ष स्वप्निल भटनागर, शैलेन्द्र चौहान, ए सी बी ओ दिलीप मित्तल, संस्थापन अधिकारी सुरेंद्र गुप्ता, अति प्रशासनिक अधिकारी कैलाश सोनी सहित कई कर्मचारी ओर अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान सभी ने शौकत अंसारी के लिए बेहतर स्वास्थ्य ओर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दो दिवसीय भंडारा एवं सत्संग कार्यक्रम का आयोजन

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा के पाली बाणगंगा नदी के किनारे स्थित श्री अड़गड़ानंद जी महाराज आश्रम श्री परमहंस आश्रम में यथार्थ गीता के प्रणेता विश्वविख्यात संत स्वामी श्री अड़गड़ानंद जी महाराज के पावन दर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य 14 जून रात्रि से रविवार में 15 जून सोमवार को सभी धर्म प्रेमी बंधुओ को मिलेगा। स्वामी अड़गड़ानंदजी ने यथार्थ गीता के माध्यम से श्रीमद्भगवद्गीता के सार्वभौमिक एवं व्यावहारिक संदेश को जन-जन तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उनके आध्यात्मिक चिंतन, साधना और मानवता के कल्याण हेतु समर्पित जीवन से देश-विदेश के भी लाखों श्रद्धालु प्रेरणा प्राप्त कर रहे हैं। विधायक राजेंद्र मीणा ने बताया कि परम पूज्य श्री परमहंस स्वामी अड़गड़ानंद जी महाराज के पावन सानिध्य में श्री परमहंस आश्रम, पाली (महुवा) में कल से आयोजित दो दिवसीय भंडारा एवं सत्संग कार्यक्रम में कल रविवार, 14 जून को रात्रि 7:30 बजे राजस्थान सरकार के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा सहभागिता करेंगे। कार्यक्रम की तैयारी को लेकर पुलिस प्रशासन सहित श्रद्धालु जुटे हुए हैं। कार्यक्रम में सभी श्रद्धालुजन सादर आमंत्रित हैं।

12वें योग दिवस पर कृषि उपज मंडी में होगा कार्यक्रम आयोजित

बारां । राज्य सरकार के आदेशानुसार आगामी 21 जून को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय सहित सभी उपखण्ड एवं ग्राम पंचायत मुख्यालयों, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, सरकारी व गैर सरकारी संस्थानों, विद्यालयों, महाविद्यालयों तथा चिन्हित धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक योग आधारित कार्यक्रम किए जाएंगे।

जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने बताया कि जिला स्तरीय योग कार्यक्रम कृषि उपज मंडी के शेड नंबर 1 में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम आयोजन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी एवं आयुर्वेद विभाग उप निदेशक को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ

हॉस्पिटल रोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में चलेगा 7 दिन तक

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर में हॉस्पिटल रोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला में लॉयंस क्लब बारां श्रीजी के तत्वावधान में विश्वस्तरीय थायरोकेयर लेब मुंबई द्वारा सात दिवसीय संपूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ गुरुकुल आश्रम के आचार्य पंडित चूड़ामणि द्वारा मंत्रोच्चार करते हुए भगवान गजानंद जी व महावीर स्वामीजी के समक्ष दीप प्रज्जलवन के साथ किया गया। जानकारी देते हुए क्लब के अध्यक्ष बृजमोहन मेहता ने बताया कि शुभारंभ कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ ललित मीणा (विधायक किशनगंज), विशिष्ट अतिथि पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन, पूर्व जिला प्रमुख नन्दलाल सुमन, अग्रवाल समाज अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, व्यापार महासंघ अध्यक्ष योगेश बाटा व शिविर संयोजक लायंस क्लब बारां श्रीजी के पूर्व अध्यक्ष कुंजबिहारी नागर मंचासीन रहे। मुख्य अतिथि किशनगंज विधायक ललित मीणा ने पहला सुख निरोगी काया बताते हुए शिविर को घर बैठे गंगा आने जैसा बताया, उन्होंने क्षेत्रवासियों को इसका अधिकाधिक लाभ लेने का आग्रह किया वही उन्होंने उपस्थित समस्त प्रबुद्धजनों को बारां के सर्वांगीण विकास हेतु पार्टीगत राजनीति से ऊपर उठकर एक साथ एक मंच पर विचार साझा करते हुए बारां जिले के विकास का विज़न निर्धारित करने का आग्रह शहर के सभी प्रबुद्ध जनों व सांगठनो से किया विधायक मीणा ने कहा पडोसी जिले कोटा झालावाड़ की तुलना मे बारां जिला बहुत पिछड़ा हुआ है। पूर्व जिला प्रमुख भरत मारन व नंदलाल सुमन ने आयोजक समाजसेवी संस्था को सेवा के इस नए आयाम की बधाई देते हुए बारां में विशाल जांच शिविर आयोजित कराकर यहा के जनसमूह को लाभ दिलाने हेतु आभार जताया। गौरतलब है की हर वर्ष लगने वाले इस शिविर का आमजन में खासा उत्साह रहता हैं। अग्रवाल समाज अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता ने इस तरह के कार्यक्रमो हेतु धर्मशाला परिसर की उपलब्धता सुनिश्चित करने का वादा किया वही व्यापार महासंघ अध्यक्ष योगेश बाटा ने व्यापारी बंधुओं से शिविर में अधिकाधिक संख्या में आने का निवेदन किया। शुभारम्भ कार्यक्रम में अग्रवाल धर्मशाला संयोजक राकेश मित्तल, मंदिर संयोजक रामेश्वर बोरीना, मनोज बोरीना, योगेश गर्ग, लघु उद्योग भारती प्रदेश पदाधिकारी पवन ड्रालिया, भारत विकास परिषद सचिव हितेश खंडेलवाल, लायंस क्लब बारां साउथ अध्यक्ष पदम पिपलानी, भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रामलाल मेहता की उपस्थिति रही।

शिविर में जांचों के लाभ की जानकारी देते हुए संयोजक कुंजबिहारी नागर ने बताया की शिविर में जांचों हेतु प्रात: 6 बजे से 11 बजे के मध्य शिविर स्थल हॉस्पिटल रोड़ स्थित अग्रवाल धर्मशाला आना होगा जहां मात्र एक ब्लड सैंपल से पूरे शरीर की करीब 70 जांचे रियायत दर में करके हेल्थ एक्सपर्ट द्वारा परामर्श दिया जाएगा। हेल्पलाइन नंबर 7073777740 जारी किए गए है। इस दौरान उपस्थित क्लब के अन्य पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त किए क्लब अध्यक्ष बृजमोहन मेहता ने सभी का आभार जताया। कार्यक्रम मे संस्था धर्मादा पूर्व अध्यक्ष विमल बंसल, शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष श्याम मेहता, शैलेन्द अध्यापक, मंडी व्यापारी सुगन चंद इलोक्ट्रॉनिक मिडिया से रामप्रसाद मेहता, लायंस क्लब बारां श्री जी से पूर्व सचिव अंजना अरोड़ा अध्यक्ष भगवती टेहल्यानी, कोषाध्यक्ष प्रेमनारायण नागर आशीष नागर, जयप्रकाश झा, हंसराज नागर सहित कई लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

पुरुषोत्तम मास में महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ने वृद्धजनों की सेवा की

बारां (रॉयल पत्रिका)। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर महाराजा अग्रसेन सेवा समिति द्वारा वृद्धजनों के सम्मान एवं सेवा का सराहनीय कार्य किया गया। समिति की संरक्षिका मंजू गर्ग ने बताया कि पुरुषोत्तम मास का विशेष धार्मिक महत्व है तथा इस माह में किए गए दान, सेवा और पुण्य कार्यों का अनेक गुना फल प्राप्त होता है। समिति अध्यक्ष रिंकी बंसल एवं मंत्री पूजा गोयनका ने जानकारी देते हुए बताया कि समिति की ओर से कलमंडा गाँव में स्थित वृद्धाश्रम में 33 जोड़ी चप्पल तथा साड़ियों का वितरण किया गया इसमें समिति की नीलिमा बंसल का भी विशेष सहयोग रहा। उनका जन्मदिन भी सबके साथ मनाया गया। इसके साथ ही वृद्धजनों को भोजन कराकर उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना की गई। वृद्धाश्रम के सभी वरिष्ठजनों ने प्रेमपूर्वक भोजन ग्रहण किया तथा समिति के सदस्यों को अपना आशीर्वाद प्रदान किया। महाराजा अग्रसेन सेवा समिति ग्रुप हमेशा समाजिक कार्य एवं जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहता हैं। समिति के इस सेवा कार्य की सभी ने सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। इस अवसर पर समिति की अंजना गोयल, मनीषा गोयल, खुशबू अग्रवाल, सविता गर्ग, ज्योति गोयल, आशा बंसल, नीलिमा, स्नेहा गुप्ता, ज्योति मित्तल, ज्योति जैन शीला गोयल, सुरभि बंसल आदि सदस्यों ने अपना योगदान दिया।

विधायक राधेश्याम बैरवा की जन संवाद यात्रा का कलमंडा से शुभारंभ

-गांव-गांव पहुंचकर सुनी जन समस्याएं

बारां (रॉयल पत्रिका)। बारां-अटरू विधायक राधेश्याम बैरवा की बहुप्रतीक्षित "विधायक आपके द्वार" जन संवाद यात्रा का शुभारंभ शुक्रवार को देहात मंडल के कलमंडा गांव से धार्मिक एवं जनसंपर्क कार्यक्रमों के साथ हुआ। यात्रा का प्रारंभ हनुमान मंदिर में पूजा-अर्चना तथा आचार्य परमानंद के सानिध्य में आयोजित सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ से किया गया। इसके पश्चात भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने भाजपा का ध्वज दिखाकर यात्रा को रवाना किया। कार्यक्रम का आयोजन देहात मंडल अध्यक्ष अमरदीप केदाहेड़ी एवं पूर्व मंडल अध्यक्ष निरंजन शर्मा के नेतृत्व में संपन्न हुआ। शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। अपने संबोधन में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार ने संगठन में कार्यकर्ताओं की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा ही कार्यकर्ता आधारित राजनीति को मजबूत बनाती है। उन्होंने कहा कि आज 46 डिग्री तापमान में विधायक का जनता के बीच पहुंचना इस बात का प्रमाण है कि भाजपा जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। उन्होंने कहा कि विधायक जनता के दरवाजे पर पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, जो जनप्रतिनिधि और जनता के बीच आत्मीय संबंध का उदाहरण है। विधायक राधेश्याम बैरवा ने कहा कि बारां-अटरू क्षेत्र की जनता और भाजपा कार्यकर्ता उनका परिवार हैं तथा उनके घर के दरवाजे चौबीसों घंटे आमजन के लिए खुले हैं। उन्होंने कहा कि "विधायक आपके द्वार" जन संवाद यात्रा का उद्देश्य गांव-गांव जाकर लोगों की समस्याएं सुनना और उनके त्वरित समाधान का प्रयास करना है। उन्होंने ग्रामीणों से यात्रा का अधिकतम लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि छोटी-बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए वे स्वयं जनता के बीच पहुंचे हैं। भाजपा जिला प्रवक्ता योगेश राजोरा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे "संकल्प से सिद्धि अभियान" तथा "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत मंदिर परिसर में छायादार पौधों का रोपण किया गया। साथ ही पौधों की देखरेख एवं संरक्षण की जिम्मेदारी स्थानीय कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों को सौंपी गई। उन्होंने बताया की जन संवाद यात्रा कलमंडा से प्रारंभ होकर उमेदगंज, मोठपुर, फुसरा एवं ठुसरा सहित विभिन्न गांवों से होती हुई देर रात्रि बटावदा पहुंची। यात्रा के दौरान प्रत्येक गांव में ग्रामीणों, भाजपा कार्यकर्ताओं एवं आमजन ने विधायक बैरवा का आत्मीय स्वागत किया। बटावदा में भी बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने यात्रा का स्वागत कर क्षेत्रीय समस्याओं से विधायक को अवगत कराया।

ये रहे उपस्थित:-

कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष नंदलाल सुमन, नागरिक बैंक चेयरमैन हरगोविंद जैन, जिला महामंत्री महावीर सिंह हाड़ा, मंडल प्रभारी निर्मल माथोडिया, जिला उपाध्यक्ष मुकेश केरवालिया, प्रधान मोरपाल सुमन, एसटी मोर्चा जिलाध्यक्ष हेमंत मीणा, शहर अध्यक्ष ओपी पारेता, कवाई मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र हाड़ा, भाजपा नेता भीम चौधरी, खेमसिंह डागर, रामेश्वर शर्मा, ओबीसी मोर्चा जिला संयोजक द्वारका प्रसाद प्रजापति, बैंक डायरेक्टर सीमा शर्मा, प्रकोष्ठ संयोजक कैलाश शर्मा, भगवती बैरवा, ऋतिक सुमन, बद्रीप्रसाद मेघवाल, शहर उपाध्यक्ष हंसू गुर्जर, चोथमल नागर, निकलेश शर्मा, वंश प्रताप, रामेंद्र सिंह, अनुराग सिंह, मनीष शर्मा, देहात महामंत्री श्रीराम मालव, रविंद्र डागर, सीताराम वैष्णव, सुरेंद्र मीणा, पवन मीणा, जसवंत मीणा, सुरेंद्र नागर, हरिशंकर नागर, पंचायत समिति सदस्य राजेंद्र मीणा, देहात प्रवक्ता भवानीशंकर प्रजापति सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

सरगरा एज्युकेशन सोसायटी ने समाज के निर्माणधीन होस्टल का लिया जायजा

-निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर जताया हर्ष मौके पर ही एक बालिका को फीस राशि का दिया चेक

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका)। सरगरा समाज शिक्षा समिति द्वारा निर्माणाधीन छात्रावास का समिति के कोषाध्यक्ष मनोहरलाल बालवंशी के अनुरोध पर सरगरा एज्युकेशन सोसायटी अध्यक्ष डीआर सागर के नेतृत्व में शनिवार को निर्माणाधीन छात्रावास भवन का भृमण किया और वँहा चल रहे विकास कार्यो को लेकर हर्ष जताया। सरगरा समाज शिक्षा सिमिति द्वारा निर्माणाधीन छात्रावास के निर्माण हो चुके कमरों को भी देखा और प्रसन्नता जताई। इस अवसर पर्व वँहा पर एक जरूरतमंद प्रतिभावान बीएड कर रही एक बालिका का फीस राशि के लिए कोल आया तब मौके पर ही सोसायटी के कोषाध्यक्ष को बुलाकर बालिका को 27 हजार की फीस राशि का चेक उपलब्ध करवाया गया। सरगरा एज्युकेशन सोसायटी के अध्यक्ष डी आर सागर ने बताया कि सरगरा शिक्षा सिमिति पाली द्वारा छात्रावास का निर्माण कार्य अदभुत है और समाज का यह छात्रावास भावी पीढ़ियों के लिए मिल का पत्थर साबित होगा। इस अवसर एज्युकेशन सोसायटी के सचिव कन्हैयालाल चोहान ने कहा कि सरगरा एज्युकेशन सोसायटी अब तक समाज के जरूरतमंद प्रतिभावान विद्यार्थियों को बिना ब्याज फीस राशि ही उपलब्ध करवाती रही है आने वाले दिनों में शिक्षा सिमिति से जुड़कर शैक्षणिक सेमिनारों व एक्सपर्ट से गाइडेंस भी उपलब्ध करवाएगी ताकि समाज का कोई बच्चा शिक्षा से वंचित नही रहे। सोसायटी के कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार कच्छवाह ने सरगरा एज्युकेशन सोसायटी के कार्यो पर प्रकाश डालते हुए बताया कि सरगरा एज्युकेशन सोसायटी पाली द्वारा अब तक समाज के कई प्रतिभावान विद्यार्थियों को बिना ब्याज फीस राशि उपलब्ध करवाई है जो कि सीधे शैक्षणिक संस्थानों के नाम से चेक से जारी की जाती है लेकिन संस्था द्वारा होनहार व प्रतिभावान विद्यार्थियों के हितों को ध्यान में रखकर उनका फोटो सावर्जनिक नही करती। लेकिन संस्था के पास पूरा लेखा जोखा व ऑडिट तैयार रहती है ओर सारा कामकाज चेक से ही किया जाता है। इस अवसर पर सरगरा समाज के गणमान्य बद्रीलाल चौहान दौलत राम देवड़ा केवलचन्द पंवार विनोद कच्छवाह गांधीधाम जितेन्द्र कच्छवाह अशोक कच्छवाह भी मौजूद रहे और समाज की दोनों संस्थाओं द्वारा शैक्षिक गतिविधियों को लेकर हर्ष जताया।

कुडली गांव के वीर चक्र प्राप्त हवलदार सरदार खां का यूनुस खान ने किया सम्मान

-दादा कायम खां स्मृति अनुसंधान एवं विकास संस्था के तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम

मोहम्मद अली पठान

डीडवाना (रॉयल पत्रिका)। दादा कायम खां स्मृति अनुसंधान एवं विकास संस्था के तत्वावधान में दादा कायम खां के 607 वें यौमे शहादत के तहत ग्राम कुडली में वीर सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश की रक्षा के लिए अदम्य साहस और वीरता का परिचय देने वाले वीर चक्र सम्मानित सैनिक हवलदार सरदार खां व उनके परिजनों का सम्मान कर उनके योगदान पर फख्र किया गया। समारोह में डीडवाना विधायक एवं पूर्व मंत्री यूनुस खान उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश की सुरक्षा और अखंडता के लिए सैनिकों तथा उनके परिवारों का योगदान अतुलनीय है। वीर सैनिकों और शहीदों के परिवारों का सम्मान करना समाज का नैतिक दायित्व है। उन्होंने युवाओं से राष्ट्रसेवा और देशभक्ति की भावना को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान वीर चक्र प्राप्त हवलदार सरदार खां व उनके परिवारजनों खातुन बानो पत्नी कप्तान मुनीर खां (पुत्री), याकुब खां रेल्वे (रि. आर्मी), इशाक खां, शेर मोहम्मद खां (रि. आर्मी), शब्बीर खां (पुत्र), सोयम खान वल्द शब्बीर खां, परवेज खान वल्द इशाक खां (सुपौत्र) का सम्मान किया गया। इस मौके पर सैनिक परिवारों को शॉल, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। वक्ताओं ने 1971 के भारत-पाक युद्ध में सैनिकों द्वारा प्रदर्शित शौर्य और बलिदान को याद करते हुए उनके योगदान पर प्रकाश डाला। दादा कायम खां स्मृति अनुसंधान एवं विकास संस्था अध्यक्ष सिकंदर खां ने बताया कि ऐसे आयोजनों का उद्देश्य नई पीढ़ी को सैनिकों के त्याग, समर्पण और बलिदान से परिचित कराना तथा समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना को और मजबूत करना है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कायमखानी समाज के गणमान्यजन, पूर्व सैनिक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के आजीवन सदस्यों ने उपकलेक्टर एवं एन्टीकरप्शन एडीशनल एसपी को दिया ज्ञापन

-केंद्र सरकार को घूस देने वाले वीडियो पर आपत्ति जताते हुए तथाकथित कोषाध्यक्ष नौशाद खान के खिलाफ शीघ्र कार्यवाही की मांग

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी की ओर से हाल ही में आयोजित मीटिंग में दिए गए बयान को लेकर मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के आजीवन सदस्यों ने उप कलेक्टर जवाहर चौधरी एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एन्टी करप्शन) के एडीशनल एसपी ओमप्रकाश चौधरी को ज्ञापन देकर कड़ी आपत्ति जताते हुए केन्द्र सरकार के अधिकारियों को घूस देने वाला बयान देने वाले तथाकथित कोषाध्यक्ष नौशाद खान के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर कड़ी से कड़ी कार्यवाही करने का ज्ञापन सौंपा। मौलाना आजाद विश्वविद्यालय के चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक ने बताया कि गत 17 मई 2026 को मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी के परिसर में जो मीटिंग आयोजित हुई। उस मीटिंग में मंच के माध्यम से गवर्निंग कौंसिल, लाईफ मेम्बर व आमजन के बीच खुलकर केन्द्र सरकार के अधिकारियों को इंस्पेक्शन कराने के लिए लाखों रूपये की रिश्वत देने व भ्रष्टाचार करने का बयान तथाकथित कोषाध्यक्ष नौशाद खान की ओर से दिया गया। नौशाद खान ने केन्द्र सरकार के अधिकारियों को ब्लैक मनी देने का खुले मंच पर ऐलान किया यह बयान सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुआ। इससे भारत सरकार पर मनगढंत आरोप लगाने के साथ-साथ मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी की छवि भी घूमिल हुई है।

उन्होंने कहा कि नौशाद खान के इस बयान से सोसायटी की साख खतरे में पड़ गई है। इसलिए ऐसे बयान देने के लिए इस व्यक्ति को फौरन अरेस्ट किया जाए। इसके खिलाफ मुकदमा कायम किया जाये। मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी में रिसीवर लगाया जाये और सोसायटी के नये चुनाव कराये जाये। ज्ञापन देने के प्रतिनिधिमंडल में मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी चेयरपर्सन मोहम्मद अतीक, मारवाड़ मुस्लिम एज्यूकेशनल एंड वेलफेयर सोसायटी सदस्य अफजल कुरैशी, सईद खिलजी, हारून खान, मोहम्मद आरिफ चुंदड़ीगर, मोहम्मद साबिर, अब्दुल रहीम मोदी, इशाक गौरी, शकील खिलजी, इकरामुद्दीन अब्बासी, असलम चुंदड़ीगर, समाजसेवी अब्दुल रहीम सांखला, सनवर खान अब्बासी, डॉ. सैयद मुईनउल हक, साजिद खान जौधाणा, आसिफ खान सिंधी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

तहसीलदार ने जेसीबी चलाकर खुलवाया वर्षों से बंद रास्ता

सीकर (रॉयल पत्रिका)। सीकर के बावड़ी गांव में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर के दौरान उपखंड अधिकारी रींगस बृजेश कुमार के निर्देशानुसार वर्ष 2017 से राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज ग्राम बावड़ी से लाखनी जाने वाले पुराने गै.मु. रास्ते को प्रशासन द्वारा खुलवाया गया। यह रास्ता, जिसके खसरा नंबर 839/1, 1092/2, 1093/2, 1094/3, 1095/2, 1659/1606, 1961/1607, 1101/2, 1103/3, 1104/1, 1105/2, 1106/2, 1108/1, 1047/2 व 1146/2 हैं, पड़ोसी खातेदारों द्वारा सीमा ज्ञान के अभाव में अवरुद्ध कर दिया गया था। यह मार्ग आमजन, पड़ोसी खातेदारों तथा अन्य गांवों के लोगों के आवागमन के लिए अत्यंत आवश्यक था। प्रकरण के समाधान के लिए तहसीलदार महेश ओला ने राजस्व टीम का गठन कर स्वयं मौके पर पहुंचकर किसानों के बीच खेतों में बैठकर समझाइश की। सभी काश्तकारों और ग्रामीणों ने सहमति जताई कि संपूर्ण रास्ते का सीमाज्ञान कर उसे खोला जाए। इसके पश्चात दो गिरदावर एवं चार पटवारियों की मौजूदगी में खातेदारों के समक्ष सीमांकन कर रास्ते को चिन्हित किया गया। तहसीलदार महेश ओला ने स्वयं जेसीबी चलाकर रास्ता खुलवाने की शुरुआत की, जिसके बाद तीन जेसीबी और दो ट्रैक्टरों की मदद से रास्ता पूरी तरह सुचारू कर दिया गया। ग्रामीणों की मांग पर निकाली गई मिट्टी को राजकीय स्कूल के खेल मैदान में डालकर गड्ढों को भरवाया गया, जिससे विद्यालय परिसर भी समतल हुआ। रास्ता खुलने पर ग्रामीणों ने राज्य सरकार एवं प्रशासन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों से बंद पड़ा यह मार्ग अब आमजन के लिए बड़ी राहत लेकर आया है।

दादा कायम खां के शहादत दिवस पर युवा कायमखानी वेलफेयर सोसाइटी ने अग्नि वीर सैनिकों का किया सम्मान

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर उस्मानाबाद कॉलोनी स्थित मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टीट्यूट परिसर में तहसील के सेना में भर्ती हुए अग्निवरों का सम्मान। युवा कायमखानी वेलफेयर सोसाइटी द्वारा चूरू तहसील के 37 अग्निवीरों का सम्मान किया गया। समारोह की अध्यक्षता आजम अली खां, जिलाध्यक्ष, जिला वक्फ कमेटी एवं पूर्व सरपंच पीथीसर एवं

मेहमान-ए-खास संस्था संरक्षक

1. जोरावर खान रिटा. थानेदार,
2. आजम अली खां पीटीआई
3. मुमताज खां राणासर
4. सफी खां चायल

मुख्य अतिथियों में

5. शौकत अली खां, रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर इनकम टैक्स,
6. इस्माइल खां, रिटायर्ड एडिशनल एसपी,
7. अयुब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी,
8. कैप्टन जसवंत खां,
9. अयुब खां मेहरी है वरिष्ठ लीगल ऑफिसर,
10. मजीद खां, सरपंच राणासर एवं प्रिंसिपल आरिफ खान,

शमशेर भालू खां मचासीन रहे एवं अपने विचार व्यक्त किए। और अग्निविर बच्चों कि प्रसंशा करते हुवे अपने आप को राष्ट्र सेवा के समर्पित होने के लिए प्रेरित किया। और भवन के कार्य पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में आए हुए मेहमानों का फूल मालाओं से स्वागत किया एवं अग्नि वीर सैनिकों का फूल माला एवं साफा पहनाकर मोमेंटो भेंट किया गया सभी वक्ताओं ने समारोह की प्रशंसा करते हुए अग्निवीर सैनिक ऑन को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम में मनोहर खां सहजुसर, बशीर खां आसलू, जंगशेर खां पितीसर, जावेद खान एडवोकेट, रमजान खां, अल्ताफ खां, मुस्लिम खां अध्यापक पिथिसर, सलेमुदिन खां गिरदावर राणासर, नवाब खां झारिया, युसूफ खां मेहरी, बाबू इस्माइल खां पार्षद, बाबू खां मंत्री पार्षद, शाहरुख़ खां पार्षद, आशिफ खान यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष, यूनुस खान चौहान, अब्बास खान MM, रमजान खां जोइया, आशिफ खान विज़न, आशिफ टीपू, महबूब खां नशवान, वली मोहम्मद खां, बाबू खां रिसालदार, आमीन खां उस्मानाबाद, यूनुस खां अध्यापक, इनायत खां मोयल रिजवान खां(सदर), मैनूदीन खां(सचिव), इलियास झारिया, हबीब खां, इसफाक खां अध्यापक, हनीफ खां, मुराद खां, गुलशन खां, सिकंदर खां, गफ्फार खां, मुंशी खान चायल, इमरान दिलावर, अयुब खान चायल, आबिद मंसूर, अरशद खां नव ज्ञान स्कूल, अकबर शेर खान, अयुब खां सहजूसर, ताहिर हुसैन(सद्दाम), शोएब दिलावर, याकूब खां पुलिस, युसूफ खां, जावेद खां एवं जाकिर खां के. के, तौफीक खान NSUI, नौशाद खां सहित अनेक गणमान्य समाज जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन मैनुद्दीन खान एवं मोहम्मद अली पठान ने संयुक्त किया। आजम अली खान पीतिसर ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ब्रीफ खबरें

जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक 15 जून को

-संगठन सृजन अभियान एवं जनसमस्याओं पर होगी महत्वपूर्ण चर्चा

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कमेटी, बारां की मासिक बैठक दिनांक 15 जून 2026 को दोपहर 12.00 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, श्री जी का चौक, बारां पर जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा की अध्यक्षता में आयोजित होगी। बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान, जनहित के मुद्दों तथा संगठनात्मक गतिविधियों पर व्यापक विचार-विमर्श किया जाएगा। जिला कांग्रेस कमेटी के संगठन महामंत्री कैलाश जैन ने बताया कि बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, नई दिल्ली की राजस्थान प्रदेश सह प्रभारी पूनम पासवान संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत संगठनात्मक विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगी तथा कार्यकर्ताओं से संवाद स्थापित करेंगी। बैठक में पूर्व मंत्री प्रमोद जैन भाया द्वारा आमजन की समस्याओं के समाधान हेतु ब्लॉक स्तर पर आयोजित किए जाने वाले धरनों की तैयारियों एवं प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। इसके साथ ही संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से ब्लॉक स्तर पर जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों को प्रभारी नियुक्त करने संबंधी प्रस्तावों पर भी चर्चा होगी। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, समस्त ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष, जिले के वर्तमान एवं पूर्व विधायकगण, विधायक प्रत्याशी, निर्वाचित जनप्रतिनिधि, जिला प्रमुख, जिला परिषद एवं पंचायत राज संस्थाओं के प्रतिनिधि, सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारी, कांग्रेस के अग्रिम संगठनों, विभागों एवं प्रकोष्ठों के जिलाध्यक्ष, पूर्व जिलाध्यक्ष, एआईसीसी एवं पीसीसी सदस्य एवं पदाधिकारी सहित कांग्रेस संगठन से जुड़े सभी वरिष्ठजन एवं कार्यकर्ता भाग लेंगे। कैलाश जैन ने बताया कि बैठक की सूचना सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं सदस्यों को सोशल मीडिया समूहों एवं प्रिंट मीडिया के माध्यम से उपलब्ध करवा दी गई है। उन्होंने सभी आमंत्रित सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर संगठन को मजबूत बनाने एवं जनहित के मुद्दों पर प्रभावी रणनीति तैयार करने में सहभागिता निभाने का आग्रह किया है।

कैबिनेट मंत्री 14 जून को पाली जिले में

पाली। पशुपालन, डेयरी, गोपालन एवं देवस्थान कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत 14 जून को पाली जिले के दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रमानुसार कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत रविवार 14 जून को प्रातः 10 बजे पाली में संगोष्ठी कार्यक्रम एवं जिला बैठक में भाग लेंगे। तथा अपराह 12 बजे पाली से प्रस्थान कर 12:30 बजे हेमावास पहुचेंगे, जहाँ वे केंद्र सरकार के 12 साल विश्वास के विकास के जनकल्याण के तहत हेमावास मंडल में प्रबुद्धजन व्यक्तियों से जनसंपर्क करेंगे। तथा सांय 04 बजे हेमावास से प्रस्थान कर सांय 05 बजे शिवपुरा पहुचेंगे। जहाँ वे विभिन कार्यो के उद्घाटन एवं शिलान्यास कार्यक्रम में शामिल होंगे। तथा वे साँय 07 बजे सुमेरपुर के लिए प्रस्थान कर जाएँगे। तथा रात्रि विश्राम सुमेरपुर में करेंगे।

जिला पुलिस अधीक्षक ज्येष्ठा मैत्रीय ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर किया संजय उर्फ संजू कालबेलिया गैंग की वारदात का खुलासा

शादाब अली

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। ज्येष्ठा मैत्रयी जिला पुलिस अधीक्षक जिला सवाई माधोपुर के आदेशानुसार नीलकमल मीना आर०पी०एस०, अति० पुलिस अधीक्षक बौली सवाई माधोपुर व उमेश गुप्ता आर०पी०एस०, वृत्ताधिकारी, वृत्त बौली सवाई माधोपुर के सुपरविजन में जितेन्द्र सिंह सोलंकी पु०नि० थानाधिकारी थाना बौंली के नेतृत्व में थाना हाजा पर झपटमारी कर सोने की मुरकी तोड़ने के संबंध में थाना हाजा पर निम्न प्रकरण दर्ज है 107/26 धारा 303 (2), 304 (2) बीएनएस दिनांक 16/4/2026 ग्राम बांस टोरडा 119/26 धारा 304 (2) बीएनएस दिनांक 26/04/2026 ग्राम पीपलदा व 161/26 धारा 304 (2) बीएनएस दिनांक 24/05/2026 ग्राम बौली में दर्ज है उक्त तीनो प्रकरणो में बदमाशो ने रैकी कर वृद्ध व्यक्तियों को अपना निशाना बनाकर कानो का मूरकीया तोड़ी है।

कार्यवाही विवरण थाना पर मुलजिमान की तलाश एंव गिरफतारी हेतु अवधेश सिंह स०उ०नि० लखनलाल एचसी 1212 विजय कानि 1510 राकेश कानि 1437 की एक विशेष टीम गठीत की गई विशेष टीम द्वारा मुखबीरी व विशेष तकनीकी ज्ञान एंव विशलेषण उपरान्त प्राप्त सूचना के आधार पर इस गैंग के सदस्यो की कोटा, दर्रा झालावाड, 5 भनपुरा राजस्थान व मध्यप्रदेश के दुधाखेडी माता में तलाश की गई तथा दिनांक 11.06.2026 को मालपुरा रोड जयपुर से तीनो गैंग के सदस्य क्रमशः 1. संजय पुत्र मोहननाथ उम्र 27 साल जाति कालबेलिया निवासी खण्डवा थाना बरौनी जिला टोंक 2. भोमा पुत्र काना नाथ उम्र 28 साल निवासी बालापुरा थाना कनवास जिला कोटा 3. समीर पुत्र काना नाथ उम्र 20 साल निवासी गोगालवा लक्ष्मीपुरा थाना टोडारायसिंहपुरा जिला टोंक को डिटेन किया जाकर दिनांक 12/06/2026 को बाद 5 पूछताछ प्रकरण संख्या 161/26 धारा 304 (बी) बीएनएस

में बापर्दा गिरफ्तार किया गया। इस गैंग का सरगना संजय उर्फ संजू कालबेलिया है इस गैंग ने राजस्थान राज्य के विभिन्न जिलो व जयपुर कमीशनरेट, जयपुर ग्रामिण, कोटा, भिलवाडा, टोंक मे इस प्रकार की पूर्व में करीब 50 वारदाते करना स्वीकार किया है।

वारदात का खुलासा दिनांक 24/5/26 को रात्रि करीब 2 बजे मिश्री लाल गाडिया लुहार सड़क पर सो रहा था तभी तीन लडके कानो की मुरकी तोड़कर पावर बाईक से भागे रात्रि गश्त मे थानाधिकार मय जाप्ता के पावर बाईक का पीछा किया तो तीनो 10-15 मीनट पीछा करने के बाद खेड़ा गांव थाना मित्रपुरा इलाके में बाईक को छोडकर भाग गये। बाईक के मालिक का पता किया तो दीपा कालबेलीया निवासी निवाई का नाम आया जिस पर जरिये मुखबीर खास व सायबर सैल प्रभारी महेन्द्र स०उ०नि० साईबर सैल तकनीकी विशलेषण द्वारा पता करने पर पता चला की दीपा का भाई संजय उर्फ संजू कालबेलिया अपने साथियो के साथ मिलकर इस बाईक से वारदात करता है। इस गैंग का तरिका वारदात बहुत ही संघीन किस्म का है जिसके अनुसार ये बदमाश रैकी करने के बाद रात्रि मे अपने वाहनो से वाछिंत जगह पर पहुंचकर वृद्ध व्यक्तियों की पहनी हुई मुरकिया लूट लेते है एंव मोके पर अवरोध होने की स्थिती में ये बदमाश पीड़ीत व्यक्ति पर पत्थरो से तथा धारधार हथियार से भी हमला कर देते है तथा लहुलुहान कर देते है वारदात करने के बाद ये लोग मोके से फरार हो जाते है तथा इस प्रकार लुटे हुए माल को बेच देते है। उक्त बदमाश इस प्रकार से लुटे हुए पैसे को ये बदमाश मोज मस्ती व अय्याशी मे खर्च कर देते है। उक्त गैंग का सरगना संजय उर्प संजू कालबेलिया पूर्व में भी इन्ही अपराधो में 8 साल जेल की सजा काट चुका है जो सन् 2024 में ही जैल से छुटा है ओर जेल से छूटने के बाद पुनः इन्ही अपराधो मे सल्पित हो गया है उक्त बदमाशो से गहनात पूर्वक तफ्तीश की जा रही है तथा इनसे ओर भी वारदातो का खुलासा होने की संभावना है।

तेज रफ्तार मिनी बस ने ट्रैक्टर ट्रॉली को टक्कर मारी

-आधा दर्जन से अधिक लोग घायल

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। नेशनल हाईवे-21 पर हडिया कट के समीप एक श्रद्धालुओं से भरी मिनी टेंपो ट्रेवल्स बस ने आगे चल रही ट्रैक्टर ट्राली को टक्कर मार दी। जिसमें आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से दो जनों को गंभीर व्यवस्था में जयपुर रैफर दिया गया। थाना पुलिस ने बताया कि महुवा से छोकरवाड़ा भरतपुर की ओर जा रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से आ रही तेज रफ्तार मिनी बस ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें ट्रैक्टर ट्राली सवार श्यामवीर जाट तथा शिवचरण मीणा निवासी छोकरवाड़ा खेडली भरतपुर तथा मिनी बस सवार सुमित, जनार्दन, सरोज, सत्यनारायण व नरेश निवासी नांदेड़ महाराष्ट्र घायल हो गए घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां से सुमित व शिवचरण को रैफर कर दिया गया। मिनी बस चालक तिरूपति ने बताया कि वह जयपुर से 15-16 श्रद्धालुओं को लेकर वृंदावन जा रहा था, तभी हडिया कट के पास यह हादसा हो गया। दुर्घटना के बाद पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारू कराया।

शहरी सेवा शिविर का नगर परिषद प्रतापगढ़ में हुआ शुभारंभ

प्रतापगढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ उनके निकट उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर परिषद क्षेत्र में शहरी सेवा शिविर का शुभारंभ शुक्रवार को किया गया। शिविर का उद्घाटन समाजसेवी महावीर कृष्णावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर उत्सव जैन, अध्यक्ष गजेन्द्र चंडालिया, नगर परिषद आयुक्त जितेंद्र मीणा सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

जिला कलक्टर ने किया शहरी सेवा शिविर का अवलोकन

नगर परिषद क्षेत्र में आयोजित शहरी सेवा शिविर का जिला कलक्टर शुभम चौधरी ने शुक्रवार को अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया तथा शिविर में आने वाले आमजन को उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।

जिला कलक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिविर में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की समस्या का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप आमजन को अधिकतम सेवाएं सरल, सुगम एवं समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने

अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को वास्तविक राहत मिल सके। उद्घाटन अवसर पर समाजसेवी महावीर कृष्णावत ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आमजन की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ऐसे शिविर प्रशासन और आमजन के बीच सेतु का कार्य करते हैं तथा लोगों को एक ही स्थान पर विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराते हैं। उत्सव जैन ने कहा कि शहरी सेवा शिविर जनसुविधाओं को सरल एवं सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। शिविरों के माध्यम से आमजन को बार-बार कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। गजेन्द्र चंडालिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है। शहरी सेवा शिविर इसी सोच का परिणाम हैं, जिनसे आमजन को विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ आसानी से प्राप्त हो सकेगा।

नगर परिषद आयुक्त जितेंद्र मीणा ने कहा कि शिविर में नगर परिषद से संबंधित विभिन्न सेवाएं एवं योजनाओं का लाभ पात्र आमजन को उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अधिकाधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर अपनी समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं का लाभ लेने की अपील की। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा आमजन की समस्याओं का निराकरण किया गया तथा योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई।

ग्रामीण सेवा शिविर बना वरदान, प्याज भंडारण इकाई से बढ़ी किसान की आय

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा आमजन तक जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर-2026 ने ग्राम पंचायत बिनजारी, तहसील चौथ का बरवाड़ा, जिला सवाई माधोपुर के किसान कन्हैयालाल पुत्र देवकरण गुर्जर के जीवन में नई खुशियां ला दी हैं। कन्हैयालाल गुर्जर लंबे समय से प्याज उत्पादन का कार्य कर रहे थे, लेकिन उचित भंडारण सुविधा के अभाव में उन्हें अपनी उपज कम कीमत पर बेचनी पड़ती थी। इससे उनकी मेहनत का पूरा लाभ नहीं मिल पाता था और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था। कृषि एवं उद्यान विभाग के अधिकारियों ने किसान की समस्या को समझा और उन्हें राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत प्याज भंडारण इकाई योजना की जानकारी दी। विभागीय मार्गदर्शन एवं सहयोग से किसान ने योजना के लिए आवेदन किया तथा स्वीकृति प्राप्त होने पर प्याज भंडारण इकाई का निर्माण कराया। योजना के तहत किसान को 87 हजार 500 रुपये का अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे आधुनिक भंडारण संरचना स्थापित करना संभव हो सका। अब किसान अपनी प्याज की फसल को सुरक्षित रूप से संग्रहित कर बाजार में अनुकूल समय पर बेहतर मूल्य पर बेच पा रहे हैं। इससे उनकी आय में वृद्धि हुई है और आर्थिक स्थिति पहले की तुलना में अधिक मजबूत हुई है। किसान ने बताया कि विभिन्न शिविर के माध्यम से उन्हें योजना की जानकारी और विभागीय सहायता समय पर मिली। यदि यह मार्गदर्शन नहीं मिलता तो वे इस महत्वपूर्ण योजना के लाभ से वंचित रह जाते। उन्होंने ग्रामीण सेवा शिविर 2026 के सफल आयोजन के लिए राज्य सरकार, जिला प्रशासन तथा कृषि एवं उद्यान विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी जनकल्याणकारी योजनाएं किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

महारास व रुक्मिणी मंगल प्रसंग सुन भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पाखर स्थित देव बाबा मंदिर परिसर में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठे दिन शनिवार को महारास, गोपी विरह एवं रुक्मिणी मंगल प्रसंग का भावपूर्ण वर्णन किया गया। कथा वाचक आचार्य विष्णुदत्त ने हंसोपाख्यान एवं सुखदेव विदाई प्रसंग के माध्यम से धर्म, सेवा और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया। कथा पंडाल में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे और भगवान के विभिन्न स्वरूपों की झांकियों का दर्शन किया।आचार्य ने कहा कि धार्मिक आयोजन समाज में प्रेम,

सद्भाव और संस्कारों को बढ़ावा देते हैं। कथा का समापन 14 जून को होगा, जबकि 15 जून को हवन, पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सियाराम खटाना, नारायण सिंह, प्रहलाद भगत, भजन बाबा, नवल सरपंच, समय सिंह, जवान सिंह, कैप्टन चतर सिंह, बाबूलाल, पंडित सहित दर्जनों महिलाएं पुरुष मौजूद थे।

ग्रामीण सेवा शिविर में बदली एक नवयुवक की तकदीर

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। उपखंड चौथ का बरवाड़ा की ग्राम पंचायत बिनजारी में आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर में एक ऐसा प्रेरणादायक प्रसंग सामने आया, जिसने एक युवा के जीवन में नई उम्मीद जगा दी। ग्राम बिनजारी निवासी विजेंद्र बैरवा पुत्र स्व. भंवरलाल बैरवा लंबे समय से पारिवारिक एवं आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे थे। पिता के निधन के बाद परिवार की पूरी जिम्मेदारी विजेंद्र के कंधों पर आ गई। छोटे भाई की पढ़ाई, घर के दैनिक खर्च और परिवार के भरण-पोषण की चिंता के बीच सीमित आय में जीवन यापन करना कठिन हो रहा था। ऐसे समय में ग्रामीण सेवा शिविर उनके लिए उम्मीद की नई किरण बनकर आया। शिविर के दौरान पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा के प्रधान संपत पहाड़िया एवं प्रशासक रामविलास गुर्जर ने

विजेंद्र बेरवा को विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) के तहत नया जॉब कार्ड प्रदान किया। जॉब कार्ड मिलने के साथ ही उन्हें स्थानीय स्तर पर रोजगार प्राप्त करने का अवसर मिला, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होने की उम्मीद जगी है। विजेंद्र ने बताया कि पिता के निधन के बाद परिवार की जिम्मेदारी निभाना उनके लिए बड़ी चुनौती बन गया था। रोजगार के नियमित साधन नहीं होने से घर का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा था। जॉब कार्ड मिलने से अब उन्हें गांव के निकट ही रोजगार उपलब्ध हो सकेगा, जिससे परिवार को आर्थिक संबल मिलेगा और छोटे भाई की पढ़ाई भी निर्बाध रूप से जारी रह सकेगी। जॉब कार्ड प्राप्त करने के बाद विजेंद्र ने भावुक होकर राज्य सरकार, जिला प्रशासन एवं पंचायत समिति चौथ का बरवाड़ा का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ग्रामीण सेवा शिविर में मेरी समस्या को गंभीरता से सुना गया और तुरंत समाधान किया गया। जॉब कार्ड मिलने से मेरे परिवार को नई उम्मीद मिली है। मैं राज्य सरकार का हृदय से धन्यवाद करता हूं, जिसने जरूरतमंद परिवारों के लिए ऐसी जनकल्याणकारी व्यवस्था उपलब्ध कराई है।

अल्फा का नया पोस्टर हुआ जारी, आलिया संग नजर आए शरवरी-बॉबी और अनिल

मुंबई। फिल्म 'अल्फा' का टीजर रिलीज होने के ठीक एक दिन बाद, आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर इस फिल्म का एक नया पोस्टर शेयर किया है। इस नए पोस्टर में आलिया के अलावा शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर काफी दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन शिव रावेल कर रहे हैं। बुधवार को फिल्म का पहला टीजर रिलीज किया गया था। टीजर की शुरुआत में आलिया भट्ट और बॉबी देओल एक साथ खाना खाते हुए दिखते हैं। बॉबी देओल, आलिया को उनके 18वें जन्मदिन की बधाई देते हैं और उन्हें एक कमरे का नंबर लिखा हुआ कार्ड देते हैं। बॉबी कहते हैं कि अब ट्रेनिंग को सच में आजमाने का समय आ गया है। इसके बाद फिल्म के कुछ शानदार एक्शन सीन दिखाए जाते हैं। टीजर से पता चलता है कि बॉबी देओल ने आलिया को एक खतरनाक एजेंट बनने के लिए कई साल तक ट्रेनिंग दी है।

हॉलीवुड मसाला

ऑब्सेशन ने खर्च से 300 गुना से ज्यादा की कमाई

नई दिल्ली। हॉलीवुड में इन दिनों 'ऑब्सेशन' नामक ऐसा तूफान आया है, जिसकी चर्चा बड़े-बड़े फिल्म स्टूडियोज और सुपरस्टार्स के बीच हो रही है। दर्शकों के लिए भले ही यह मनोरंजन है मगर मात्र 6.3 करोड़ रुपए में बनी इस फिल्म ने रिलीज के महज चार सप्ताह में 1,900 करोड़ रुपए की वैश्विक कमाई कर ली है। टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में जब 'ऑब्सेशन' को दिखाया गया था, तो किसी ने नहीं सोचा था कि यह इतिहास रच देगी। इस फिल्म ने अब तक के फिल्म फेस्टिवल इतिहास की सबसे बड़ी 'एक्विजिशन' (फेस्टिवल के दौरान किसी बड़ी कंपनी द्वारा खरीदे जाने के बाद बंपर कमाई करने वाली फिल्म) बनने का गौरव हासिल कर लिया है। इस मामले में इसने दिग्गज डाक्युमेंट्री फिल्म 'फारेनहाइट 9/11' का सालों पुराना रिकार्ड तोड़ दिया है।

टेलर होंगी सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम क्लब का हिस्सा

लॉस एंजिल्स। पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट के फैंस दुनियाभर में हैं। इस पॉप सिंगर ने हाल ही में एक बड़ी कामयाबी हासिल की है। गुरुवार को उन्हें प्रतिष्ठित 'सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम' में शामिल किया गया। इसके साथ ही सिंगर इस क्लब में शामिल होने वाली सबसे कम उम्र की महिला बन चुकी हैं। सिंगर टेलर स्विफ्ट ने महज 36 साल की उम्र में यह सफलता प्राप्त की है। मशहूर सिंगर और म्यूजिशियन के क्लब 'सॉन्ग राइटर्स हॉल ऑफ फेम' में उनकी एंट्री हो गई है। सबसे खास बात यह है कि वो इस क्लब की सबसे कम उम्र की मेंबर हैं। उन्होंने कैरोल बायर सिंगर का लंबे समय से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया है। 1987 में कैरोल हॉल ऑफ फेम का हिस्सा बनीं, उस वक्त उनकी उम्र 43 साल थीं। 'सॉन्गराइटर्स हॉल ऑफ फेम' में सिर्फ मशहूर गायकों और संगीतकारों को शामिल किया जाता है। 1983 में अमेरिकन सिंगर और म्यूजिशियन स्टीवी वंडर इस क्लब का हिस्सा बने थे। तब वह महज 32 साल के थे। क्लब के अब तक के इतिहास में वह सबसे कम उम्र के सेलिब्रिटी हैं। इस क्लब में शामिल होने के लिए हस्तियों की उम्र लगभग 50 साल या उससे ऊपर होनी चाहिए।

लाइफ Style

सिक्किम सीमा के दौरे के बाद बॉलीवुड अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति अपना गहरा आभार जताया है। इस दौरान भूमि ने सीमा का दौरा किया और साथ ही सैनिकों से बातचीत भी की। भूमि पेडनेकर सिक्किम की तीन दिवसीय यात्रा पर गई थीं। इस दौरान उन्होंने भारत की सीमा का दौरा किया और वहां तैनात सैनिकों से मुलाकात की।

भूमि सशस्त्र बलों के प्रति जताया आभार

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भूमि ने बताया कि वह खुद को हमेशा से एक सच्ची देशभक्त मानती हैं। सीमा पर जाकर उन्हें अहसास हुआ कि हमारे सैनिक देश के लिए कितना बड़ा बलिदान देते हैं। सैनिकों से बात करके वह खुद को उनका कर्जदार महसूस कर रही हैं। भूमि ने बताया कि सीमा पर बेहद ठंड थी, लेकिन वहां का नजारा बहुत खूबसूरत था। भूमि ने उस क्षेत्र के इतिहास को भी समझा और कहा कि देश की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों पर उन्हें बेहद गर्व है। उन्होंने कहा कि देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के लिए हम आम नागरिक उतना योगदान नहीं दे पाते, जितना हमें देना चाहिए। भूमि ने साल 2015 में फिल्म 'दम लगाके हईशा' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके काम की जमकर तारीफ हुई। इसके बाद उन्होंने टॉयलेट एक प्रेम कथा, शुभ मंगल सावधान, बाला, पति पत्नी और वो, सांड की आंख, बधाई दो और भक्षक जैसी कई बेहतरीन फिल्मों और वेब सीरीज दलदल में काम किया है। अभिनय में आने से पहले भूमि ने यश राज फिल्म्स में लगभग छह साल तक सहायक कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में काम किया था। भूमि को आखिरी बार क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज दलदल में देखा गया था, जो 30 जनवरी, 2026 को अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई थी। इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर सीरीज में भूमि ने मुंबई क्राइम ब्रांच की डीसीपी रीता फरेरा का मुख्य किरदार निभाया है।

नर्स बनकर कंगना के साहस ने जीता दिल

मुंबई। कंगना रनौत की फिल्म भाग्य विधाता रिलीज हो गई है। इसमें कंगना ने एक नर्स का किरदार निभाया है। इसके अलावा फिल्म 26/11 हमले पर आधारित है। इस मुद्दे पर वैसे तो कई फिल्में बनी हैं, लेकिन डायरेक्टर मनोज तपाड़िया की फिल्म इसमें एक ऐसा एंगल लेकर आई हैं, जिसके बारे में कम लोग जानते हैं। फिल्म में दिखाया गया है कि जब आतंकवादी उस दौरान एक अस्पताल में घुस गए थे तब क्या हुआ था। इसमें कंगना का किरदार रियल लाइफ नर्स अंजलि कुल्ते पर आधारित है, जिनके साहस और उनके साथ जो नर्स थीं उनकी मदद से उन्होंने 400 लोगों की जिंदगी को बचाया था। कंगना ने अपना किरदार बखूबी निभाया है। उनकी परफॉर्मेंस इतनी क्लीन थी कि नर्स का मरीजों के साथ जो बॉन्ड दिखता है वो काफी साफ और इमोशनली कनेक्ट करता है।

ग्राम चिकित्सालय सीजन 2 का ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। 'ग्राम चिकित्सालय' सीजन 2 का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया जा चुका है। 'भठकंडी' नाम के एक काल्पनिक गांव पर बेस्ड यह सीरीज ह्यूमर के जरिए देश के गांवों में स्वास्थ्य सेवा की कड़वी सच्चाइयों को सामने लाने की कोशिश करती दिख रही है। इस ट्रेलर में अमोल पाराशर एक बार फिर डॉक्टर के किरदार में गांव के ढर्रों से जूझते दिख रहे हैं। वह चाहते हैं कि भठकंडी के हेल्थ सेंटर को किसी तरह से बचाया जा सके और इसी के साथ वो एक आदर्श पीएचसी का खिताब भी पाना चाहते हैं। डॉक्टर प्रभात गांववालों को चिकित्सालय बुलाने के लिए नई-नई तरकीब लगानेवाले हैं, लेकिन अब देखना ये है कि वे कितना सफल होते हैं। हालांकि, ये सब इतना आसान नहीं। इस ट्रेलर की शुरुआत डॉक्टर के सामने ऐसे पेशेंट से होती है, जिसे सुनकर शायद किसी को भी उल्टी आ जाए।

टीवी मसाला

दिव्यांका ने दिखाई जुड़वां बेटों की झलक, कहा शुक्रिया

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी ने आखिरकार अपने जुड़वां बेटों की पहली झलक शेयर की है और फैंस इन प्यारी तस्वीरों को बार-बार देख रहे हैं। एक्ट्रेस ने 25 मई को अपने पति विवेक दहिया के साथ अपने बेटों का स्वागत किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर प्यारी तस्वीरें पोस्ट करके अपने फॉलोअर्स को एक मां के तौर पर अपनी नई जिंदगी की एक प्यारी सी झलक दिखाई है। इन तस्वीरों में मां बनने के शुरुआती दिनों के कुछ सबसे खास पल कैद हैं। तस्वीरों में दिव्यांका त्रिपाठी अपने नवजात बेटों को गले लगाए और उन्हें प्यार से चूमती हुई नजर आ रही हैं। ये तस्वीरें उस खुशी और प्यार को दिखाती हैं जो जुड़वां बच्चों के आने के बाद से ही इस कपल के घर में भर गया है। तस्वीरों के साथ दिव्यांका ने एक सादा लेकिन दिल को छू लेने वाला मैसेज भी शेयर किया। उन्हें मां बनाने के लिए अपने बेटों का शुक्रिया अदा करते हुए उन्होंने लिखा, 'मुझे चुनने के लिए धन्यवाद'। उनके इस दिल से निकले मैसेज ने तुरंत ही फैंस का दिल जीत लिया और कई लोगों ने कमेंट सेक्शन में परिवार के लिए प्यार और दुआओं की बौछार कर दी। 'ये है मोहब्बतें' में इशिता भल्ला के किरदार से घर-घर में मशहूर हुईं इस एक्ट्रेस को फैंस अक्सर प्यार से 'इशी मां' कहकर बुलाते हैं। अब वह असल जिंदगी में भी मां बन गई हैं, और उनके कई फॉलोअर्स उन्हें इस नए रोल में देखकर बहुत खुश हैं।

'टीवी शो और फिल्मों में आए थे नजर'

नई दिल्ली। 90 के दशक में कई चर्चित हिंदी फिल्मों और टीवी शोज में अभिनेता दिनयार तीरंदाज नजर आए थे। यह कलाकार अब हमारे बीच नहीं हैं। इनके निधन की खबर से फिल्म जगत के कलाकारों और प्रशंसकों के बीच शोक लहर दौड़ पड़ी है। इस दिग्गज अभिनेता के निधन की जानकारी पारसी जोरोस्ट्रियन फेसबुक पेज के जरिए साझा की गई है। दिनयार तीरंदाज कई दशकों तक मनोरंजन जगत में सक्रिय रहे। उन्होंने 1984 में रिलीज हुई फिल्म दुनिया से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की थी।

नुक्कड़ और ब्योमकेश बख्शी जैसे हिट टेलीविजन शो में काम किया था। टेलीविजन के अलावा यह दिग्गज अभिनेता कई बॉलीवुड फिल्मों में दिखाई दिए। हैलो ब्रदर, अलबेला, चलते-चलते, मैंने प्यार क्यों किया, क्या कहना, दिल है के मानता नहीं और कमाल धमाल मालामाल जैसी फिल्मों में दिनयार तीरंदाज ने अभिनय किया था।

50 साल बाद चितचोर के कलाकारों का मिलन

नई दिल्ली। साल 1976 में आई फिल्म 'चितचोर' ने दर्शकों को काफी ज्यादा प्रभावित किया था। इसके लगभग पांच दशक बाद अब इस फिल्म के एक्टर्स जरीना वहाब और मास्टर राजू फिर से साथ देखकर फैंस की खुसी का ठिकाना नहीं है। जरीना वहाब ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर की है जोकि फैंस को काफी ज्यादा आकर्षित कर रही है। तस्वीर में वह मास्टर राजू के साथ मुस्कुराते हुए पोज देती दिख रही हैं। तस्वीर सामने आते ही फैंस को फिर से चर्चित फिल्म 'चितचोर' की याद आ गई। वहाब के प्यार भरे सोशल मीडिया पोस्ट से फैंस को दिखा दिया कि कुछ ऑन-स्क्रीन रिश्ते फिल्म खत्म होने के बाद भी बने रहते हैं।

क्या है चितचोर की कहानी?

चितचोर का निर्देशन बासु चटर्जी ने किया था। यह सुबोध घोष की बंगाली कहानी चित्तचोर पर आधारित थी। फिल्म में विजयेंद्र घाटगे, अमोल पालेकर, ए.के. हंगल, दीना पाठक, रितु कमल, शैल चतुर्वेदी और सी.एस. दुबे जैसे कलाकार शामिल थे। फिल्म की कहानी एक पिता पर केंद्रित है, जो गलती से गलत दूल्हे को घर ले आता है। इसी दौरान लड़की और उस युवक के बीच प्यार पनपने लगता है। बाद में एक पत्र आने के बाद कहानी में बड़ा मोड़ आता है और कई भावनात्मक घटनाएं सामने आती हैं। मास्टर राजू का असली नाम राजू श्रेष्ठ है। उन्होंने बहुत छोटी उम्र में फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। अमर प्रेम, बावर्ची, परिचय, दाग, अभिमान, दीवार, चितचोर, किताब और खट्टा मीठा उनकी कुछ यादगार फिल्में हैं।

इस हफ्ते बॉक्स ऑफिस पर होगा बड़ा क्लैश आमने-सामने होंगे बॉबी और सामंथा

नई दिल्ली। जून के तीसरे हफ्ते कई शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसमें आपको एक्शन से लेकर रोमांस, थ्रिल और कॉमेडी का पूरा डोज मिलेगा। इस लिस्ट में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनका फैंस महीनों से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। साउथ फिल्मों के चाहने वालों के लिए ये हफ्ता बेहद खास होने वाला है। एक तरफ जहां इस हफ्ते सिनेमाघरों में एक से बढ़कर एक फिल्मों की बाढ़ आई है। वहीं, दूसरी तरफ साउथ की फिल्में इस हफ्ते बवाल काटने के लिए तैयार है। जून के तीसरे हफ्ते कई शानदार फिल्में रिलीज होने वाली हैं। इसमें आपको एक्शन से लेकर रोमांस, थ्रिल और कॉमेडी का पूरा डोज मिलेगा। इस लिस्ट में कुछ फिल्में ऐसी हैं, जिनका फैंस महीनों से बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। तो चलिए बताते हैं कौन-कौन सी फिल्में रिलीज होने वाली हैं।

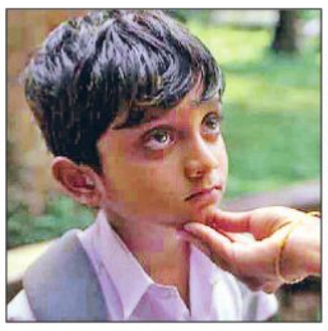

बालनः द बॉय

बालनः द बॉय एक ऐसे लड़के की कहानी है जो उथल-पुथल भरे बचपन से जूझ रहा है और अपनी मां के रहस्यमय ढंग से लापता होने के बाद समाधान की तलाश में बेताब है। कलाकार- चंदू सलीम कुमार, गणपति, टोविनो थॉमस, निर्देशक चिदंबरम, शैली किशोरावस्था से वयस्कता में परिवर्तन की कहानी, भाषा मलयालम, रिलीज की तारीखः 19 जून।

मां इंटी बंगारम

मां इंटी बंगारम एक ऐसी महिला की कहानी है, जो दो साल बाद अपने पति के परिवार से मिलने जाती है, बिना उनका आशीर्वाद लिए। एक आदर्श गृहिणी बनने की कोशिश में उसका अतीत उसके दरवाजे पर दस्तक देता है। फिर जो होता है वो इस फिल्म को और भी दिलचस्प बनाता है। कलाकार-सामंथा रुथ प्रभु , गुलशन देवैया, दिगंत मनचले, गौतमी तडिमल्ला, श्रीमुखी, मंजूषा, श्रीनिवास गविरेड्डी, निर्देशक बी.वी. नंदिनी रेड्डी, शैली एक्शन कॉमेडी, भाषा तेलुगु, रिलीज की तारीखः 19 जून।

जना नायकन

जून में थलपति विजय की धमाकेदार फिल्म 'जना नायकन' को लेकर दर्शकोंके बीच काफी क्रेज बना हुआ है। ये फिल्म विजय के 52वें जन्मदिन के सप्ताह में सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। हालांकि, इसे लेकर ऑफिशियल ऐलान नहीं किया गया है लेकिन ये टिकट बुकिंग ऐप्स पर नोटिफाई हो चुकी है। कहानी थलपति वेत्री कोंडन के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी दत्तक पुत्री विजी को एक सशक्त और साहसी सेना अधिकारी बनाना चाहते हैं।

जिंदगी तो बेवफा है, एक दिन ठुकराएगी... आज भी सुनकर रो पड़ते हैं लोग

रफी ने अमिताभ के मरने वाले सीन पर फ्री में गाई थीं सिर्फ ये 4 लाइनें

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमिताभ बच्चन की फिल्म का एक गाना ऐसा है, जिसमें मोहम्मद रफी ने सिर्फ चार लाइन गईं थीं। वो भी एक फूटी कौड़ी लिए। इस गाने को सुनकर आज भी लोग रो पड़ते हैं। आज भी इस गाने को बेहद पसंद किया जाता है। बॉलीवुड के लेजेंड्री सिंगर मोहम्मद रफी की आवाज का जादू आज भी लोगों के सिर पर चढ़कर बोलता है। उनके गानों को हर उम्र के लोग सुनना पसंद करते हैं। मौका कोई भी दर्द का खुशी का या फिर रोमांस का रफी के गाने हर मूड के लिए परफेक्ट हैं। लेकिन, अमिताभ बच्चन की फिल्म का एक गाना ऐसा है, जिसमें मोहम्मद रफी ने सिर्फ चार लाइन गईं थीं। वो भी एक फूटी कौड़ी लिए। इस गाने को सुनकर आज भी लोग रो पड़ते हैं।

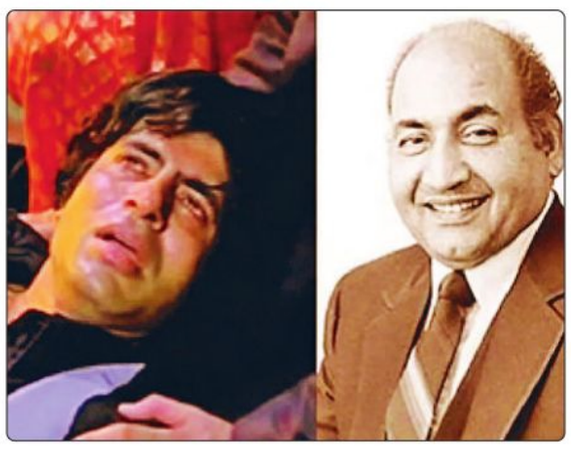

1978 में रिलीज हुई थी 'मुकद्दर का सिकंदर'

हम बात कर रहे हैं अमिताभ बच्चन की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मुकद्दर का सिकंदर' की जो साल 1978 में रिलीज हुई थी। 'मुकद्दर का सिकंदर' अमिताभ के कॅरियर की सफल फिल्मों में गिनी जाती है। इस फिल्म में का म्यूजिक कल्याणजी-आनंदजी ने तैयार किया था। वहीं, इसके निर्देशक प्रकाश मेहरा का मानना था। इसके गीत अनजान ने लिखे। इस फिल्म के सारे गाने किशोर कुमार ने गाए थे। इस मूवी के क्लाइमेक्स सीन ने हर किसी को रुला दिया था। क्लाइमेक्स को और भी असरदार बनाने में रफी का बहुत बड़ा रोल था।

क्लाइमेक्स सीन ने हर, किसी को रुला दिया था

इस पर मोहम्मद रफी ने आनंद जी बात रखी और चार लाइनें गाने के लिए तैयार हो गए। ये गाना था 'जिंदगी तो बेवफा है, एक दिन ठुकराएगी / मौत महबूबा है, अपने साथ लेकर जाएगी...'। इस लाइन को गाने के लिए रफी ने कल्याणजी-आनंदजी ने एक पैसा नहीं लिया और अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद इसे फ्री में गाया। रफी की इस बात कल्याणजी-आनंदजी ऐसे कायल हुए कि कहा ये सिर्फ वो ही कर सकते हैं। इस गाने ने रिलीज के बाद हर किसी को रुला दिया और आज भी इसे सुनकर आंखें भर आती हैं।

आनंदजी चाहते थे रफी गाएं

दरअसल, हम पहले ही बता चुके हैं कि 'मुकद्दर का सिकंदर' के सारे गानों को किशोर कुमार ने गाया। इसमें फिल्म का टाइटल ट्रैक 'वो मुकद्दर का सिकंदर', 'ओ साथी रे' शामिल है। इस फिल्म के क्लाइमेक्स सीन, जिसमें अमिताभ बच्चन की मौत होती है, उसके लिए कल्याणजी-आनंदजी को सिर्फ चार लाइने चाहिए थे, जिसे वो किशोर कुमार से नहीं बल्कि, मोहम्मद रफी गाएं। आनंदजी जो दर्द चाहते थे इस गाने में उन्हें यकीन था के सिर्फ रफी ही दे सकते हैं।

किशोर से क्यों नहीं गवा लेते

कल्याणजी-आनंदजी को लेकिन ये बात खाए जा रही थी कि वो मोहम्मद रफी से सिर्फ चार लाइन गाने के लिए कैसे कहें। क्योंकि, उनकी फिल्म के सारे गाने किशोर कुमार गा रहे थे। हुआ भी कुछ ऐसा ही। हिम्मत करके आनंदजी ने रफी को कॉल करके अपनी बात बताई कि वो चाहते हैं कि आप उनकी फिल्म के लिए सिर्फ चार लाइनें गा दें। रफी ने कहा कि क्यों, किशोर से क्यों नहीं गवा लेते, वो तो सारे गाने गा रहे हैं। इस पर आनंद जी ने कहा कि नहीं, जो दर्द और फील हम उस लाइन में चाहते है वो आप ही दे सकते हैं।

बीओम ने दागा शानदार गोल, दक्षिण कोरिया ने चेक गणराज्य को हराया

एजेंसी ▶▶| गुआडालाजारा

ह्वांग इन-बीओम ने एक गोल किया और एक अन्य गोल में मदद की, जिससे दक्षिण कोरिया ने पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए विश्व कप फुटबॉल के दूसरे मैच में चेक गणराज्य को 2-1 से हरा दिया। पहले हाफ में दोनों टीमों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और मैदान से बाहर जाते समय दर्शकों ने उनकी हूटिंग की। इसके बाद चेक गणराज्य ने 59वें मिनट में कप्तान लादिस्लाव क्रेजी के हेडर से किए गए शानदार गोल से बढ़त हासिल कर ली। यह गोल पेनल्टी एरिया में एक लंबी थ्रो-इन के बाद हुआ।

दक्षिण कोरिया ने 67वें मिनट में बराबरी कर ली, जब ह्वांग ने दो खिलाड़ियों को चकमा देने के लिए शॉट मारने का नाटक किया और गोल दाग दिया। इसके बाद उन्होंने दाहिनी ओर से क्रॉस पास दिया, जिस पर ओह ह्योन-ग्यू ने 80वें मिनट में निर्णायक गोल दागा। यह मैच ग्वाडालाजारा स्टेडियम में खेला गया जहां सैकड़ों सीट खाली पड़ी थी। मैच खत्म होने के बाद दक्षिण कोरियाई टीम ने गोलपोस्ट के पीछे खड़े होकर अपने प्रशंसकों के साथ जश्न मनाया।

विश्व कप से बाहर हुए एंडो ने की संन्यास की घोषणा

एजेंसी ▶▶| टोकियो

जापान के कप्तान वतारू एंडो पांव में चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए हैं, जिसके बाद लिवरपूल की तरफ से खेलने वाले इस मिडफील्डर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में अपना पहला मैच नीदरलैंड के खिलाफ खेलना है लेकिन इससे पहले 33 वर्षीय एंडो ने अपने एक्स अकाउंट पर जापानी भाषा में टूर्नामेंट से हटने का अपना फैसला सुनाया। जापान की टीम टेनेसी के नैशविले में अभ्यास कर रही है। फरवरी में अपने बाएं पैर की सर्जरी कराने वाले एंडो ने कहा, 'चोट लगने के बाद से अब तक मैंने अपनी तरफ से हर संभव कोशिश की है और मुझे कोई पछतावा नहीं है। मैं अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से भी संन्यास ले रहा हूं।'' एंडो ने 31 मई को तोक्यो में आइसलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में वापसी की थी लेकिन वह हाफटाइम के बाद मैदान पर वापस नहीं लौटे थे। जापान की टीम के निदेशक मसाकुनी यामामोटो ने बताया कि डिफेंडर को इटाकुरा को नया कप्तान बनाया गया है, जबकि फॉरवर्ड शुटो माचिनो को एंडो की जगह टीम में शामिल किया गया है।

खबर संक्षेप

द. अफ्रीका क्रिकेट के लिए बेकरार : स्टेन

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने एसए20 लीग की सफलता में आईपीएल और दक्षिण अफ्रीका की इस टी20 लीग के बीच तालमेल को बड़ा पहलू बताते हुए कहा कि एसए20 ने उनके देश में दर्शकों को फिर स्टेडियम में लौटाया है। पहले चार सत्रों में एसए 20 काफी कामयाब रही है और क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका को पांचवें सत्र में भी यह सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। स्टेन ने एसए 20 के पांचवें सत्र से कहा,' दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट के लिए बेकरार है। कोरोना काल में दक्षिण अफ्रीका भी खेल से दूर हो गया था। स्थानीय खेलों पर उसकी बड़ी गाज गिरी। एसए 20 कमिश्नर ग्रीम स्मिथ और लीग ने क्रिकेट को देश में लौटाया है।' स्ट्रेन ने कहा,' लोग क्रिकेट देखने को उतावले थे और हमने दर्शकों को वह दिया। उन्होंने इसे हाथोंहाथ लिया और एसए20 ने भी निराश नहीं किया। लोग बड़ी तादाद में अपनी टीमों का समर्थन करने स्टेडियम आ रहे हैं।'

बेंगलुरु में 3 सितंबर से ग्लोबल शतरंज लीग

नई दिल्ली। ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का चौथा सत्र 3 सितंबर से बेंगलुरु में आयोजित किया जाएगा। लीग आयोजकों ने इसकी घोषणा की। टेक महिंद्रा और शतरंज की वैश्विक संचालक फिडे की संयुक्त पहल के रूप में शुरू हुई ग्लोबल शतरंज लीग ने शतरंज के पारंपरिक प्रारुप में कई नए बदलाव किए हैं। इसमें फ्रेंचाइजी आधारित टीमें, मिश्रित (पुरुष और महिला) टीम संयोजन तथा तेज गति वाले मुकाबलों का प्रारुप शामिल है। चौथे सत्र में भी दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी टीम आधारित प्रारुप में खिताब के लिए मुकाबला करते नजर आएंगे। ग्लोबल शतरंज लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा, ग्लोबल शतरंज लीग की स्थापना शतरंज को वास्तव में एक वैश्विक दर्शक खेल बनाने के उद्देश्य से की गई थी।

स्कॉटलैंड विश्वकप टीम में शामिल हुईं हन्ना रेनी

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड को आईसीसी महिला टी20 विश्व कप की शुरुआत से ठीक पहले अपनी टीम में बदलाव करना पड़ा है। चोटिल लेग-स्पिनर अबताहा मकसूद की जगह स्कॉटलैंड ने हन्ना रेनी को टीम में शामिल किया है। इस बदलाव को आईसीसी की आधिकारिक मंजूरी मिल गई है। टूर्नामेंट की इवेंट तकनीकी समिति ने रेनी को शामिल करने की मंजूरी दी। मकसूद को 9 जून को पाकिस्तान के खिलाफ स्कॉटलैंड के वार्म-अप मैच के दौरान मेटाकार्पल फ्रैक्चर हो गया था, जिसके कारण वह बाहर हो गई थीं।

दोपहर 1.30 बजे से धर्मशाला में गिल और शाहिदी की टीमों में मुकाबला

अफगानिस्तान के खिलाफ आज से टीम इंडिया का 'मिशन वर्ल्ड कप'

रोहित की फिटनेस-नीतीश के प्रदर्शन पर रहेगी नजर

एजेंसी ▶▶| धर्मशाला

भारतीय क्रिकेट टीम अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाली तीन मैच की एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला से अगले साल होने वाले विश्व कप की तैयारी शुरू करेगी। इस श्रृंखला में जहां रोहित शर्मा की मैच फिटनेस की परीक्षा होगी, वहीं चोटिल हार्दिक पंड्या के बैकअप के रूप में नीतीश कुमार रेड्डी के प्रदर्शन पर भी कड़ी नजर रहेगी।

आईपीएल के दौरान मांसपेशियों में खिंचाव के कारण कुछ मैच नहीं खेल पाने वाले रोहित अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के लिए समय रहते पूरी तरह से फिट हो गए हैं, लेकिन भारतीय टीम और दर्शकों को विराट कोहली की कमी खलेगी, जो मांसपेशियों में खिंचाव के कारण इस श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। भारत अक्टूबर-नवंबर 2027 में दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप की तैयारी कर रहा है। ऐसे में इस बात पर संदेह बना हुआ है कि क्या 39 वर्षीय रोहित वनडे विश्व कप तक टीम में बने रहेंगे या नहीं। भले ही उम्र उनके पक्ष में नहीं हो लेकिन वह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने में सक्षम रहे हैं।

टीमें इस प्रकार

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस अय्यर, रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या, वॉशिंगटन सुंदर, हर्ष दुबे, इशान किशन, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बराड़, प्रिंस यादव।

अफगानिस्तान: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), सेदिकुल्लाह अटल, रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), अजमतुल्लाह उमरजई, बिलाल सामी, नांगेयालिया खरोती, फरीद अहमद मलिक, एएम गजनफर, मोहम्मद नबी, राशिद खान, दरविश रसूली, इब्राहिम जादरान, जिया उर रहमान शरीफी।

विश्व कप से पहले भारत खेलेगा 25 वनडे

विश्व कप से पहले भारत को लगभग 25 वनडे मैच खेलने हैं, जिससे टीम को खिलाड़ियों और अलग-अलग संयोजन आजमाने का पर्याप्त मौका मिलेगा। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने तीन वनडे श्रृंखला खेली हैं, जिनमें से दो में उसे हार का सामना करना पड़ा था। मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ मिलकर वह इस रिकॉर्ड में सुधार करने में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहेंगे। गिल और रोहित के पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है, जबकि कोहली की अनुपस्थिति में तीसरे नंबर पर ईशान किशन और यशस्वी जायसवाल में से किसी एक को उतारा जा सकता है।

अच्छी फॉर्म में नहीं कुलदीप

टीम में दूसरे ऑलराउंडर ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुंदर हैं। स्पिन गेंदबाजी में कुलदीप यादव दूसरे विकल्प हो सकते हैं लेकिन वह अभी अच्छी फॉर्म में नहीं हैं। कुलदीप ने हालांकि 120 वनडे में 194 विकेट लिए हैं और उनका अनुभव काफी मायने रखता है। अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट नहीं खेलने वाले बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे टीम में स्पिन गेंदबाजी का एक और विकल्प हैं। दुबे अच्छे बल्लेबाज भी हैं। अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी आक्रमण की कमान संभालेंगे, जबकि प्रिंस यादव या गुरनूर बराड़ तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं।

क्रिकेट

केन विलियमसन ने किया हैरान अचानक क्रिकेट से लिया संन्यास

एजेंसी ▶▶| क्राइस्टचर्च

अपने दौर के सबसे उम्दा बल्लेबाजों में से एक न्यूजीलैंड क्रिकेट के सबसे सफल दौर के नायक और अपने गरिमामय आचरण से विरोधी टीम को भी मुरीद बना लेने वाले केन विलियमसन ने 15 बरस से अधिक के सुनहरे कैरियर के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदा लेने की घोषणा की।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड क्रिकेट में तीनों प्रारुपों में एक युग का अंत हो गया। अपने शानदार कैरियर में विलियमसन ने देश के लिए 378 मैच खेले, अनगिनत बल्लेबाजी रिकॉर्ड बनाए और पूरी दुनिया में सम्मान पाया। विलियमसन ने 2025 में ही टी20 प्रारुप से संन्यास ले लिया था।

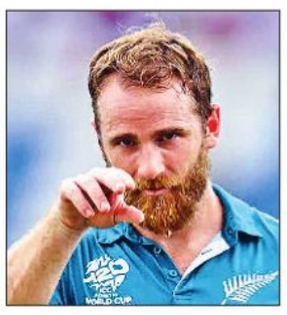

विलियमसन ने कई प्रारुपों में बनाए 19346 रन

35 वर्ष के विलियमसन ने न्यूजीलैंड के लिए विभिन्न प्रारुपों में 19346 रन बनाए हैं, जिनमें टेस्ट क्रिकेट में 33 शतक और छह दोहरे शतक समेत 9500 से अधिक रन हैं। उनकी कप्तानी में न्यूजीलैंड दो बार आइसीसी विश्व कप फाइनल, तीन सेमीफाइनल में पहुंचा और 2021 में पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती।

संन्यास का सही समय : विलियमसन

विलियमसन ने कहा,' मैंने इस पर काफी सोचा और पिछले कुछ दिन से लग रहा था कि यह सही समय है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए मेरे भीतर हमेशा मजबूत इच्छाशक्ति और ललक रही है और मुझे इस बात में गर्व है कि न्यूजीलैंड के लिए हर मैच में मैंने अपना सब कुछ दिया है।' उन्होंने कहा,' इससे कम पर खेलते रहना सही नहीं होगा और मैं खुशकिस्मत हूं कि अपने हिसाब से मैंने यह फैसला लिया है।' विलियमसन ने कहा,' मैं पिछले कुछ दिन से इसके बारे में सोच रहा था और लगा कि यह सही समय है इसका दूसरा पहलू यह है कि मैं एक प्रतिभाशाली समूह देख रहा हूं, जिनके आगे एक सफर है, जो इस न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के साथ कुछ खास चीजें कर सकते हैं। वही टीम, जिसका मैं इतने लंबे समय तक हिस्सा बनकर बहुत खुशकिस्मत रहा हूं।' उन्होंने कहा, 'न्यूजीलैंड टीम के लिए मेरे मन में काफी सम्मान है और इस खेल के लिए भी।

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

सिंधू ने सू यू को मात्र 27 मिनट में हराया, सेमीफाइनल में एंट्री

एजेंसी ▶▶| सिडनी

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने ऑस्ट्रेलियाई ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की चेन सू यू को मात्र 27 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में सीधे गेमों में 21-6, 21-9 से पराजित किया।

सिंधू ने शुरुआत से ही मुकाबले पर अपना दबदबा बनाए रखा और आसानी से अंतिम चार में जगह पक्की कर ली। सेमीफाइनल में सिंधू का सामना जापान की शीर्ष वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची से होगा। यामागुची ने भारतीय किशोरी तन्वी शर्मा के शानदार अभियान का अंत करते हुए उन्हें 21-14, 21-14 से हराया। यह मुकाबला 32 मिनट तक चला।

सिंधू के लिए सेमीफाइनल काफी महत्वपूर्ण

सिंधू और यामागुची के बीच अब तक हुए मुकाबलों के आंकड़ों में भारतीय स्टार का पलड़ा थोड़ा भारी रहा है। दोनों खिलाड़ियों के बीच खेले गए 28 मुकाबलों में सिंधू ने 15 जबकि यामागुची ने 13 जीत दर्ज की हैं। सिंधू के लिए यह सेमीफाइनल काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि मौजूदा सत्र में उनका प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। वह बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर पर लंबे समय से चले आ रहे खिताबी सूखे को समाप्त करने के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ लय हासिल करने की कोशिश कर रही हैं। सिंधू को दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल का खिताब जीतने के बाद से अपने अगले खिताब का इंतजार है। पुरुष युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन और एमआर अर्जुन क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपै के चेन चेंग कुआन और लियू कुआंग हेंग से 19-21, 9-16 से पिछड़ने के बाद बाहर हा गए।

वेस्टइंडीज ने श्रीलंका को 7 विकेट से हराया, पॉवेल ने लगाया शानदार सिक्स

एजेंसी ▶▶| किंग्स्टन

रोवमैन पॉवेल ने अंतिम ओवर में छक्का लगाया, जिससे वेस्टइंडीज ने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका को 7 विकेट से हराया।

श्रीलंका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 9 विकेट पर 147 रन बनाए। उसकी तरफ से कामिंदु मेंडिस ने 51 रन तथा कप्तान और सलामी बल्लेबाज कुसल मेंडिस ने 36 रन बनाए। वेस्टइंडीज की तरफ से जेसन होल्डर और शमर जोसेफ ने तीन-तीन विकेट लिए। वेस्टइंडीज ने 3 विकेट पर 149 रन बनाकर जीत दर्ज की। उसकी तरफ से कप्तान और सलामी बल्लेबाज शाई होप ने नाबाद 65 रन बनाए। इसके बाद पॉवेल ने नाबाद 10 रन बनाकर टीम को चार गेंद पहले ही लक्ष्य तक पहुंचा दिया। सलामी बल्लेबाज ब्रैंडन किंग ने 37 रन का योगदान दिया। टी20 श्रृंखला के आखिरी दो मैच शनिवार और रविवार को किंग्स्टन के सबीना पार्क में ही खेले जाएंगे।

डब्ल्यूएफआई की कार्रवाई, 500 से अधिक पहलवान अयोग्य

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने उम्र में धोखाधड़ी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अंडर-17 राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग कुश्ती प्रतियोगिता से 500 से अधिक पहलवानों को अयोग्य घोषित कर दिया है। आधार आधारित सख्त सत्यापन प्रणाली लागू होने के बाद खिलाड़ियों के दस्तावेजों में बड़े पैमाने पर विसंगतियां सामने आईं। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले में 6 से 8 जून तक आयोजित इस प्रतियोगिता में पुरुष फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला वर्गों में करीब 1,200 पहलवानों ने पंजीकरण कराया था। आयु सत्यापन के लिए जन्म प्रमाण पत्र के साथ-साथ खिलाड़ियों से मोबाइल नंबर से जुड़े आधार कार्ड प्रस्तुत करने और आधार ऐप के जरिए ओटीपी प्रमाणीकरण कराने को कहा गया। आधार ऐप में दस्तावेजों में किए गए सभी बदलावों का रिकॉर्ड उपलब्ध रहता है, जिससे जांच और अधिक प्रभावी हो सकी।

आधार और जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी में विसंगति

जांच के दौरान कई ऐसे मामले सामने आए, जिनमें आधार और जन्म प्रमाण पत्र की जानकारी मेल नहीं खा रही थी। कई जन्म प्रमाण पत्र खिलाड़ियों के जन्म के वर्षों बाद जारी किए गए थे, जिससे संदेह और गहरा गया। एक मामले में एक पहलवान ने जन्म प्रमाण पत्र में अपनी जन्म तिथि वर्ष 2007 और जन्म स्थान दिल्ली के नरेला क्षेत्र का बताया था, जबकि उसके आधार रिकॉर्ड में जन्म वर्ष 2004 और जन्म स्थान हरियाणा दर्ज था। इस विसंगति के बाद डब्ल्यूएफआई ने संबंधित अस्पताल से भी स्पष्टीकरण मांगा।

मैदान के बाहर बेबाक अंदाज और युवा खिलाड़ियों को पहचानने में माहिर कोच

सिर्फ चैंपियन नहीं, भारतीय शूटिंग में क्रांति का चेहरा थे राणा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

निशानेबाजी में विलक्षण प्रतिभा, मैदान के बाहर बेबाक अंदाज और युवा खिलाड़ियों को पहचानने में माहिर कोच, जसपाल राणा शायद पहले ऐसे निशानेबाज थे, जिन्होंने इस खेल में भारत के मजबूत होने से पहले ही भारतीयों का ध्यान अपनी तरफ खींचा था।

राणा ने 49 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उन्हें दिल से जुड़ी समस्याएं हो गई थीं, जो म्यूनिख से दिल्ली लौटते समय उनकी उड़ान के दौरान सामने आईं। इसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में जन्मे राणा सिर्फ एक चैंपियन निशानेबाज ही नहीं थे। वह एक खेल क्रांति का चेहरा थे। भारत के विश्व में निशानेबाजी में एक ताकत के रूप में उभरने से काफी पहले किशोर राणा ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने शानदार प्रदर्शन से एक पीढ़ी को प्रेरित किया और उस खेल के पहले स्टार खिलाड़ियों में से एक बन गए, जो उस समय भारत में क्रिकेट के दीवाने लोगों के लिए काफी हद तक अनजान था। उनका उदय भारतीय निशानेबाजी के लिए मील का पत्थर साबित हुआ।

निशानेबाजी के थे नायक

वह तस्वीर भारतीय खेल जगत की स्मृतियों में हमेशा के लिए बनी रहेगी जब विक्टोरिया में 1994 के राष्ट्रमंडल खेलों में शानदार प्रदर्शन के बाद किशोर राणा को उनके पिता ने कंधों पर उठा दिया था। जिस निशानेबाजी खेल से भारत लगभग अपरिचित था, उस खेल में उन्हें एक नायक मिल गया था। उनका यह प्रदर्शन एक ऐसे खिलाड़ी का उदय था, जो एक चैंपियन और एक कोच दोनों के रूप में भारतीय निशानेबाजी के भाग्य को नई दिशा देने वाला था। उस सफलता ने राणा परिवार की किस्मत बदल दी, लेकिन उससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इसने भारत के लिए पदक दिलाने वाले खेल के रूप में निशानेबाजी की क्षमता को उजागर किया।

12 साल की उम्र में जीता था स्वर्ण पदक

महज 12 साल की उम्र में राष्ट्रीय स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले राणा का करियर लगभग दो दशकों तक चला, जिसके दौरान उन्होंने राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों में कई पदक जीते। वह ओलंपियन भी थे। उन्होंने 1996 के अटलांटा ओलंपिक खेलों में भाग लिया था लेकिन पदक नहीं जीत पाए थे। राजवर्धन सिंह राठौड़ (2004 एथेंस ओलंपिक में रजत पदक) और अभिनव बिंद्रा (2008 बीजिंग ओलंपिक में स्वर्ण पदक) ने बाद में ओलंपिक में पदक जीते लेकिन इसकी नींव एक तरह से राणा ने रखी थी। दोहा में 2006 के एशियाई खेलों में उन्होंने तेज बुखार और मतली आने के बावजूद तीन स्वर्ण पदक जीते।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे समारोह की अध्यक्षता, वायुसेनाप्रमुख भरेंगे किरण विमान में उड़ान

हरियाणा की तन्नु समेत 231 फ्लाइट कैडेट आज वायुसेना की डिंडीगुल अकादमी से होंगे उत्तीर्ण

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारतीय वायुसेना की हैदराबाद स्थित डिंडीगुल अकादमी में शनिवार (13 जून) को आयोजित किया जाने वाला कंबाइंड ग्रेजुएशन परेड (सीजीपी) समारोह बेहद खास होने वाला है। क्योंकि इसमें एक ओर हरियाणा के हिसार की रहने वाली तन्नु सहित कुल 231 युवा कैडेट अपनी स्नातक की डिग्री के साथ उत्तीर्ण होकर निकलेंगे।

जबकि दूसरी ओर राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) खडकवासला से पिछले साल 2025 में पहले बैच से पास होकर निकली 5 लड़कियों को भी आधिकारिक रूप से वायुसेना में कमीशन किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि इन पांच में से 2 लड़कियों को वायुसेना की फ्लाइंग ब्रांच और बाकी बची हुई 3 को लॉजिस्टिक और इंजीनियरिंग ब्रांच में कमीशन किया जाएगा। समारोह वायुसेना के फ्लाइंग और ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं के 217 वें कोर्स के फ्लाइट कैडेट से जुड़ा हुआ है। जिसमें अकादमी से पास होकर निकलने वाले 231 कैडेटों में 194 पुरुष और 37 महिलाएं शामिल होंगी।

यह समारोह एक प्रकार से युवा कैडेटों के लिए वायुसेना में आधिकारिक रूप से कमीशन होने से पहले की प्रक्रिया यानी प्री-कमिशनिंग से संबंधित है। क्योंकि इसके बाद ही उनकी बल की

फाइल फोटो

तमाम शाखाओं में कमीशन होने की औपचारिक कवायद शुरू होगी। वायुसेना ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

पहले भी किरण उड़ा चुके वायुसेनाप्रमुख: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह परेड समारोह की अध्यक्षता करेंगे। इसके अलावा वायुसेनाप्रमुख एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह वायुसेना में युवा पायलटों के प्रशिक्षण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले किरण विमान में उड़ान भरेंगे। यह हालांकि पहला मौका नहीं होगा।

जब वायुसेनाध्यक्ष की किरण में यह शानदार उड़ान होगी। इससे पहले वह पिछले साल 2025 में भी बल के इस विमान में एक सफल उड़ान भर चुके हैं। साथ ही उन्होंने वायुसेना के कई जंगी लड़ाकू विमानों में भी उड़ान भरी है। समारोह में बल के विमानों का आकर्षक फ्लाईपास्ट भी देखने को मिलेगा।

अन्य सैन्य बलों की रहेगी भूमिका: समारोह में भारतीय नौसेना के 9 अधिकारी, तटरक्षकबल के 3 अधिकारी और वियतनाम के 2 प्रशिक्षुओं को भी अपना हवाई प्रशिक्षण पूरा करने पर डिग्री से नवाजा जाएगा। जबकि 3 अधिकारियों को नेविगेशन ट्रेनिंग पूरा करने के लिए ब्रेवेट प्रदान की जाएगी। यह एक प्रकार की सैन्य रैंक है। जिसे किसी सैन्य अधिकारी को बिना अतिरिक्त वेतन के उच्च-पद या उपाधि के जरिए प्रदान किया जाता है।

हिसार के गांव की तन्नु का सफर

फ्लाइंग अधिकारी तन्नु हरियाणा के हिसार जिले के एक किसान परिवार में जन्मी हैं। जहां बच्चों के सपने खेत के मैदानों से बड़े नहीं होते या शायद उनसे कभी पार नहीं जाते हैं। ऐसे में उनकी दुनिया भी साधारण रही और एक्पोजर भी सीमित रहा। लेकिन वायुसेना अकादमी तक पहुंचने के पीछे तन्नु की माताजी श्रीमती मीनू का बेहद अहम योगदान रहा है। जो यह जानती थी कि शिक्षा ही एकमात्र ऐसा रास्ता है। जो उनकी बेटी के लिए एक अलग भविष्य के द्वार खोल सकता है। फिर क्या था उन्होंने अपनी बेटी को पास के एक शहर में भेजा? जहां उसे एक अलग वातावरण मिला। फिर दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज से स्नातक की डिग्री ली। लेकिन तब तक सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने का जुनून तन्नु के दिमाग में घर कर गया था। 2024 में वायुसेना की प्रशासनिक शाखा में मेरिट हासिल की। जिसके बाद वह अपने परिवार की पहली सदस्य बनीं। जो वायुसेना में शामिल हुई। अपनी मेहनत के बूते 2026 में स्प्रिंग टर्म में महिला कैडेट कैप्टन बनी और अब 13 जून को उनका वायुसेना में अधिकारी बनने का सपना साकार होगा।

खबर संक्षेप

नेपाल में बस दुर्घटना, 8 की मौत, 16 घायल

काठमांडू। नेपाल के कावेरपलानचौक जिले में शुक्रवार को एक यात्री बस के गहरी खाई में

गिर जाने से आठ लोगों की मौत हो गई और 16 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, रोशी ग्रामीण नगरपालिका के सुंगुरे जा रही थी। काठमांडू से लगभग 60 किलोमीटर पूर्व बनेपा-बरदीबास राजमार्ग पर बुच्चाकोट के निकट सेल्फी हिलॉक में यह हादसा हुआ। पुलिस ने बताया कि बस में 24 यात्री सवार थे। पुलिस के मुताबिक, बस पहाड़ी सड़क से करीब 200 मीटर नीचे खाई में जा गिरी।

भारत ने अपने नागरिकों को सावधान किया

ओटावा। कनाडा में भारतीय मिशन ने भारतीय नागरिकों को परामर्श जारी कर कहा है कि वे

फोन करने वाले ऐसे लोगों से सावधान रहें जो खुद को दूतावास का अधिकारी बताकर वीजा, आव्रजन स्थिति और नौकरी की पेशकश से जुड़ी धोखाधड़ी करते हैं। टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश में भारतीय नागरिकों को धोखाधड़ी करने वाले लोगों से लगातार फोन आ रहे हैं, जो कभी-कभी दूतावास के अधिकारी होने का दावा करते हैं। नौकरी की पेशकश जैसी चीजों के बारे में होती हैं।

पाकः अलग हमलों में दो पुलिसकर्मियों की मौत

पेशावर। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शुक्रवार को निशाना बनाकर की गयी अलग-

अलग गोलीबारी की घटनाओं में दो पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पहली घटना सेदगी बकाखेल इलाके में उस समय हुई, जहां अज्ञात बंदूकधारियों ने घर के बाहर ही कांस्टेबल मोहम्मद रोशन की गोली मारकर हत्या कर दी। दूसरी घटना में, आजाद मंडी के पास अज्ञात हमलावरों ने पुलिस अधिकारी मिशक्वत उल्ला अमीर को निशाना बनाया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने की उच्चस्तरीय समीक्षा, बहुस्तरीय सुरक्षा घेरा और आधुनिक तकनीक पर विशेष जोर

‘बम-बम’ रहेगी अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा, अमित शाह ने थामी कमान

शिविर स्थल पर मौजूद रहें पुलिस बल

अमित शाह ने कहा कि सुरक्षा प्रबंधन में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग किया जाएगा। यात्रा मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में ड्रोन निगरानी, सीसीटीवी कैमरे, अत्याधुनिक सर्विलांस सिस्टम तथा अन्य तकनीकी उपकरणों की मदद से चौबीसों घंटे निगरानी रखी जाएगी।

इसके साथ ही पारंपरिक सुरक्षा तंत्र को भी और मजबूत किया जाएगा ताकि किसी भी संभावित खतरे से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके। गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि यात्रा के दौरान विभिन्न केंद्रीय सुरक्षा बलों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शिविर स्थलों पर नियमित रूप से मौजूद रहें और व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करें। उन्होंने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था का समय-समय पर मूल्यांकन किया जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर तत्काल सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने आगामी श्री अमरनाथ जी यात्रा की सुरक्षा और व्यवस्थाओं की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में यात्रा की सुरक्षा, श्रद्धालुओं की सुविधा, स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन तथा विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार श्री अमरनाथ जी यात्रा के श्रद्धालुओं की सर्वोच्च सुरक्षा और सुगम यात्रा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिया कि यात्रा के दौरान सुरक्षा और सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। बैठक में यात्रा मार्ग पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ), जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के समन्वित प्रयासों से बहुस्तरीय एवं अभेद्य सुरक्षा ग्रिड स्थापित करने का निर्णय लिया गया। गृह मंत्री ने निर्देश दिए कि यात्रा मार्ग, बेस कैंप, ठहराव स्थलों और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाए।

बैठक में श्रद्धालुओं के पंजीकरण, आवास, स्वास्थ्य सेवाओं और आपदा प्रबंधन की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। अमित शाह ने निर्देश दिया कि यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त संसाधन और प्रशिक्षित टीमें तैनात रहें। यात्रा से जुड़े स्थानीय लोगों और पशुओं के पंजीकरण पर भी विशेष जोर दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि स्थानीय सेवा प्रदाताओं और यात्रा से जुड़े व्यक्तियों को क्यूआर कोड युक्त पहचान पत्र जारी किए जाएंगे। इसके अलावा यात्रा में उपयोग किए जाने वाले घोड़ों, खच्चरों और अन्य पशुओं के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए विशेष शिविर लगाए जाएंगे ताकि यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित की जा सके।

गृह मंत्री ने कहा कि मौसम की स्थिति और मौसम विभाग के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए ही श्रद्धालुओं के जत्थों को आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी। खराब मौसम या किसी अन्य जोखिम की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि अमरनाथ यात्रा मार्ग के अतिरिक्त जम्मू-कश्मीर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भी सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु धार्मिक दर्शन के साथ-साथ प्रदेश के पर्यटन स्थलों का भी सुरक्षित वातावरण में आनंद ले सकें। अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष अमरनाथ यात्रा को लेकर सुरक्षा एजेंसियों ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, आधुनिक निगरानी प्रणाली और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय के माध्यम से यात्रा को सुरक्षित, व्यवस्थित और सुचारु बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

आरोपी को ले जाती एटीएस

भोपाल में एटीएस की बड़ी कार्रवाई

संदिग्ध युवक गिरफ्तार, अफगानिस्तान जाकर विशेष ट्रेनिंग लेने की थी तैयारी

देश विरोधी गतिविधियों में शामिल था आरोपी

एजेंसी ⏭ भोपाल

मध्य प्रदेश एंटी टेरेरिस्ट स्क्वाड (एटीएस) ने राजधानी भोपाल में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक संदिग्ध युवक को गिरफ्तार किया है। एटीएस ने काजी कैंप क्षेत्र से मोहम्मद फराक नामक युवक को हिरासत में लिया है। एजेंसी का दावा है कि आरोपी देश विरोधी गतिविधियों में शामिल था और कट्टरपंथी विचारधारा से प्रभावित होकर संदिग्ध नेटवर्क के संपर्क में था। एटीएस ने देर रात कार्रवाई करते हुए आरोपी को काजी कैंप स्थित एक मस्जिद के पास से गिरफ्तार किया। खुफिया इनपुट के आधार पर एजेंसी पिछले कुछ समय से उसकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए थी। प्रारंभिक जांच में यह जानकारी सामने आई है कि आरोपी विशेष ट्रेनिंग हासिल करने के लिए अफगानिस्तान जाने की तैयारी कर रहा था। इसके लिए वह कुछ लोगों के संपर्क में भी था।

पूछताछ के लिए रिमांड मांगा : टीएस ने आरोपी के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी को अदालत में पेश किया गया। एजेंसी ने उससे गहन पूछताछ के लिए रिमांड मांगा है ताकि उसके संपर्कों, फंडिंग के स्रोत और संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटाई जा सके।

घर से आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद

एटीएस द्वारा आरोपी के घर की तलाशी लेने पर कई आपत्तिजनक दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार तलाशी के दौरान जिहादी साहित्य और कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। कुछ दस्तावेज पाकिस्तान से भेजे जाने की आशंका जताई जा रही है। इसके अलावा मार्शल आर्ट और अन्य प्रकार के प्रशिक्षण से संबंधित सामग्री भी बरामद हुई है। जांच में कुछ मदरसों से जुड़े वित्तीय लेन-देन की जानकारी भी सामने आई है, जिसकी विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

पाक को चीनी वेपन सिस्टम का लंबे समय से इंतजार था

चीन में बनी हंगोर क्लास पनडुब्बी पहुंची कराची, पाक नौसेना करेगी इस्तेमाल

एजेंसी ⏭ कराची

पाकिस्तानी नौसेना की रणनीतिक ताकत को बढ़ाने और उसके आधुनिकीकरण की दिशा में एक बहुत बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। चीन के साथ हुए समझौते के तहत निर्मित पाकिस्तान की पहली एडवांस हंगोर-क्लास पनडुब्बी सफलतापूर्वक कराची पोर्ट पर पहुंच गई है। पाकिस्तानी नौसेना ने कहा कि गुरुवार को कराची स्थित नौसेना डॉकयार्ड में इस पनडुब्बी के आने पर समारोह किया गया। इस समारोह में पाकिस्तान फ्लीट के कमांडर, वाइस एडमिरल अब्दुल मुनीब मुख्य अतिथि थे। समारोह में पाकिस्तान नेवल एकेडमी के कैडेटों ने कराची बंदरगाह में प्रवेश कर रही इस अत्याधुनिक पनडुब्बी और इसके जांबाज चालक दल को पारंपरिक समारोह सलामी दी। इसके साथ ही, आसमान में पाकिस्तानी नौसेना ने हेलीकॉप्टरों ने शानदार फ्लाई-पास्ट कर इस पनडुब्बी का स्वागत किया।

भारत की तात्कालिक जरूरतों को पूरा कर सकता है एसयू-57

एसयू 57 जेटः भारत के लिए गेमचेंजर हो सकता है सुखोई-57

एजेंसी ⏭ मॉस्को

रूस ने एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान के नए 2 सीट वाले वेरिएंट का ऑफर भी भारत को दे दिया है। पिछले हफ्ते रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने सार्वजनिक तौर पर कहा था कि रूस भारत के साथ पांचवी पीढ़ी के इस विमान का उत्पादन करना चाहता है और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के लिए तैयार है। रूस यूएस-57 को एक समाधान के तौर पर भले ही पेश कर रहा है लेकिन इसके प्रोडक्शन से जुड़ी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर सकती है। इस महीने सेंट पीटर्सबर्ग इंटरनेशनल इकोनॉमिक फोरम के दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रूस के एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के स्टील्थ फाइटर के लिए बिना किसी रोक-टोक के जॉइंट प्रोडक्शन और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का अपना प्रस्ताव फिर से दोहराया।

दीक्षांत समारोह में विक्रम मिसरी ने छात्रों को डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया

12 देशों के 46 विद्यार्थियों ने आईआईटी मद्रास से ली डिग्री, अमेरिका-सोमालिया, सूडान के छात्र शामिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एक ओर जहां बड़ी संख्या में भारतीय छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाते हैं, वहीं अब वैश्विक स्तर पर भारतीय शिक्षा का मान बढ़ रहा है। नेपाल, अमेरिका, सोमालिया, अफगानिस्तान, सूडान, युगांडा, तंजानिया और कैमरून समेत 12 देशों के 46 छात्रों ने आईआईटी मद्रास से एमटेक, एमए और एमएससी की डिग्री हासिल कर भारतीय शिक्षा प्रणाली पर अपना भरोसा जताया है। आईआईटी मद्रास में आयोजित

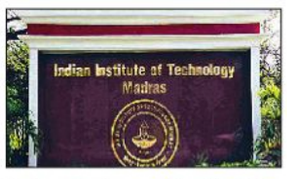

विशेष दीक्षांत समारोह में विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने इन छात्रों को डिग्री प्रदान कर सम्मानित किया। छात्रों के अभिभावक भी उपस्थित थे। विदेश सचिव ने तकनीक के बदलते स्वरूप पर जोर देते हुए कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस,सस्टेनेबल इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में बदलाव की गति अत्यंत तीव्र है। उन्होंने बंगलूरू की तरह ही लागोस, अक्रा और काहिरा जैसे शहरों को उभरते हुए स्टार्टअप हब बताया। भारतीय उच्च शिक्षा की वैश्विक स्वीकार्यता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस सत्र में भारत के पहले विदेशी कैंपस आईआईटी जांजीबार से चार छात्र ग्रेजुएट हो रहे हैं। 17 देशों के लगभग 150 अंतरराष्ट्रीय छात्र पोस्ट-ग्रेजुएशन और पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए चयनित किए गए हैं, जो वैश्विक पटल पर भारत की शैक्षणिक साख को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहे हैं।

नेत्र से बढ़ेगी वायु सेना की ताकत, अब दुश्मनों की खैर नहीं

भारत की तीसरी आंख को 25 जून को मिलेगा फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेंस

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत की स्वदेशी हवाई निगरानी और टोही क्षमताओं के क्षेत्र में 25 जून को एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ने जा रहा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन डीआरडीओ आगामी 25 जून को बेंगलुरु स्थित सेंटर फॉर एयरबोर्न सिस्टम्स में स्वदेशी हवाई चेतावनी और नियंत्रण प्रणाली- नेत्र के लिए फाइनल ऑपरेशनल क्लीयरेंस की घोषणा करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

यह घोषणा भारतीय वायु सेना के लिए विकसित किए गए इस स्वदेशी रणनीतिक प्लेटफॉर्म के विकास, परीक्षण और परिचालन साइकिल की सफल समाप्ति का प्रतीक है। यह सिस्टम अब युद्ध या किसी भी सैन्य संकट के दौरान पूर्ण पैमाने पर मोर्चे पर तैनात होने के लिए पूरी तरह तैयार और प्रमाणित हो चुका है।

आसमान में भारत की तीसरी आंख और इसकी मारक क्षमताएं

डीआरडीओ द्वारा विकसित नेत्र सिस्टम को आसान भाषा में आसमान में उड़ता हुआ बेहद आधुनिक रडार और कमांड सेंटर कहा जा सकता है। यह अत्याधुनिक सर्विलांस सेंसर बाजीलियाई एम्ब्रेयर विमान पर फिट किए गए हैं। दुश्मन के लड़ाकू विमानों, ड्रोनों, मिसाइलों और यहां तक कि समुद्री सतह पर मंडराने वाले खतरों की बहुत पहले ही टोह लेना और अलीं वॉर्निंग जारी करना है।

भारत ने पहुंचाई तुरंत सहायता, भारत बना भरोसेमंद फर्स्ट रेस्पॉन्डर

संकट के समय फिर पड़ोसी के साथ खड़ा हुआ भारत,गंभीर बीमारी से जूझ रहा है आइलैंड देश, कभी कहा था इंडिया आउट

> भारत ने अपने पड़ोसी देश को संकट से उबारने की फिर से एक बड़ी पहल की है। अरब सागर में स्थित आइलैंड देश को बड़ी संख्या में मीजल्स वैक्सीन और अन्य मेडिकल सामग्री की जरूरत पड़ी और भारत ने तुरंत यह

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

भारत ने संकट के वक्त में अपने निकट पड़ोसी मालदीव की ओर फिर से मदद का हाथ बढ़ाया है। अरब सागर में स्थित यह आइलैंड देश अभी मीजल्स खसरा संक्रमण के संकट से जुझ रहा है, गुरुवार को भारत ने मीजल्स वैक्सीन की 20,000 डोज भेजी। भारत ने अलावा माले की सरकार की सहायता के लिए अलग से तीन टन अतिरिक्त मेडिकल सप्लाई भी भेजी है। विदेश मंत्रालय की ओर से

जारी बयान के अनुसार समय पर भेजी गई बढ़ते मामलों को नियंत्रित करने में मदद मिलेगी।

भारत से घनिष्ठ समन्वय दर्शाता है: मालदीव के विदेश मंत्रालय ने भारत से समय पर पहुंची मदद की सोशल मीडिया के माध्यम से तुरंत ही सराहना की।

कभी चल चुका है इंडिया-आउट अभियान

यह वही मालदीव है, जहां पहले भारत-विरोधी अभियान भी चला था

- मालदीव के नेता मोहम्मद मुइज्जू ने चीन के प्रभाव में आकर इंडिया आउट अभियान चलाने से भी परहेज नहीं किया था।
- मुइज्जू से पहले मालदीव में भारत-विरोधी भावना का बीज पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन बोकर गए।
- लेकिन, इंडिया आउट अभियान के कुछ ही समय बाद जब आइलैंड देश के मीठे पानी वाला अकेला प्लांट बैठ गया ने घंटों में द्वीप पीने का पानी पहुंचा दिया।
- यही नहीं, मौजूदा पश्चिम एशिया संकट में जब भी माले ने नई दिल्ली की ओर उम्मीद भरी नजरों से देखा है।
- भारत ने मालदीव को तेल और गैस की सप्लाई बनाए रखने में सहायता की हर संभव कोशिश की है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com